RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 118 , गुरुवार, 11 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर छात्रों को दिखाई गई विकास यात्रा 03

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभुकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 39 करोड़ ... 04

रश्मिका मंदाना पर बड़ा दांव पहली बार बायोपिक में निभा सकती हैं ये... 07

संक्षिप्त समाचार

मोदी का बतौर पीएम 4399 दिन का कार्यकाल पूरा

नेहरू का रिकॉर्ड टूटा, कैबिनेट ने तालियां बजाकर स्वागत किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी ने 10 जून को लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मोदी ने 26 मई 2014 को पीएम पद की शपथ ली थी। आज उनके कार्यकाल के 4399 दिन पूरे हो गए। पीएम के तौर पर यह उनका लगातार तीसरा कार्यकाल है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू के पास था। वे 1952 में हुए पहले आम चुनाव के बाद 4398 दिनों तक इस पद रहे। दोपहर 12.30 बजे केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में मंत्रियों ने

पीएम मोदी के स्वागत में खड़े होकर तालियां बजाईं। साथ ही एक विशेष प्रस्ताव भी पारित किया। **मोदी देश के सबसे ज्यादा कार्यकाल वाले इलेक्टेड पीएम-** दरअसल, 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के बाद जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। वे 15 अगस्त 1947 से 13 मई 1952 तक कुल 1732 दिन पीएम रहे। इसके बाद 1952 में देश में पहला आम चुनाव हुआ। कांग्रेस सत्ता में आई। संसदीय दल ने नेहरू को अपना नेता चुना।

बिहार में खुलेगा गूगल का ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर

दिल्ली में सीएम सम्राट से मिले वाइस प्रेसीडेंट चंदू थोटा

पटना/दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में बड़े स्तर पर तकनीकी निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए राज्य सरकार ने गूगल इंडिया को ऑफर दिया है। दिल्ली के बिहार भवन में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से गूगल इंडिया के वाइस प्रेसीडेंट चंदू थोटा के नेतृत्व में आए एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस मुलाकात की जानकारी खुद मुख्यमंत्री ने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर साझा की। बैठक के दौरान राज्य के विकास को गति देने के लिए आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर गंभीर विमर्श हुआ और बिहार को वैश्विक आईटी मानचित्र पर स्थापित करने की रणनीतियों पर बातचीत की गई। मुलाकात के बाद बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, बिहार भवन, नई दिल्ली में गूगल इंडिया के वाइस प्रेसीडेंट श्री चंदू थोटा जी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। बैठक में तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कृषि क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान बिहार नीति- 2026 के अंतर्गत गूगल को राज्य में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने हेतु आमंत्रित किया।

सेनाओं के लिए थियेटर कमांड बनाने की चर्चा तेज

- फिलहाल तीन शहरों में थियेटर कमांड बनाने की है तैयारी
- चीन-पाकिस्तान से इकट्ठे निपटेगी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेनाओं के लिए थियेटर कमांड वाले आइडिया को अमलीजामा पहनाने के काम ने थोड़ी रफ्तार पकड़ी है। यूं तो यह आइडिया करीब 6 साल पुराना है, लेकिन अपना कार्यकाल खत्म होते-होते पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने इसका एक ठोस खाका तैयार कर दिया है, जिसे ब्लूप्रिंट बताया जा रहा है। अब रक्षा मंत्रालय और केंद्र सरकार को इस पर निर्णायक फैसला लेना है। भारतीय सशस्त्र

सेना को थियेटर कमांड से जोड़ने की खबरों के बीच साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने एक रिपोर्ट दी है, जिसके अनुसार अभी भारत की तीनों सेनाएं, इंडियन आर्मी , इंडियन एयर फोर्स और इंडियन नेवी जो कुल 17 कमांड में काम करती है, वह ढांचा सिमट कर मात्र तीन थियेटर कमांड के अधीन होगा।

देश के तीन शहरों में बनेंगे थियेटर कमांड

रिपोर्ट के अनुसार नॉर्थर्न थियेटर कमांड का हेडक्वार्टर लखनऊ में होगा। नॉर्थर्न थियेटर कमांड का पूरा फोकस चीन पर होगा। नॉर्थर्न थियेटर कमांड की अगुवाई मुख्य तौर पर आर्मी के हाथों में होगी। वेस्टर्न थियेटर कमांड जयपुर से संचालित होगा और इसके पास पाकिस्तान से निपटने की जिम्मेदारी होगी। वेस्टर्न कमांड का नेतृत्व एयरफोर्स के हाथों में रहने की संभावना है। तीसरा या मैरीटाइम थियेटर कमांड केरल में होगा।

चीन-पाकिस्तान का इकट्ठा करना है सामना

एक डिफेंस थिंक टैंक यूनाइटेड सर्विस इंस्टिट्यूशन ऑफ इंडिया के एक रिसर्चर गौरव कुमार ने एससीएमपी से कहा, भारत में चिंता अभी ये है कि मिलिट्री के पास एक बार में एक ही चुनौती से निपटने जैसी सुविधा अब न रह जाए। पहले चीन और पाकिस्तान को मोटे तौर पर भिन्न सुरक्षा समस्या की तौर पर देखा जाता था। इससे पहले एचटी ने रिपोर्ट दी थी कि पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कार्यकाल की समाप्ति से पहले थियेटर कमांड का एक पुख्ता ब्लूप्रिंट रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा है। इस ब्लूप्रिंट में थियेटर कमांड का स्ट्रक्चर, ह्यूमैन रिसोर्सेज, सिनर्जी मेकेनिज्म और एसओपी की जानकारी दी है।

टीएमसी में टूट जारी एक और इस्तीफा

- अब राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने छोड़ दी टीएमसी
- **काबा मदीना गाने वाली सायोनी भी हुई बागी-** टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को जल्द ही एक बहुत बड़ा झटका लग सकता है। खबर है कि लोकसभा सांसद सायोनी घोष अब बागी गुट में शामिल हो सकती हैं। हाल ही में काबा-मदीना गाकर घोष सुर्खियों में आ गई थीं। कहा जा रहा है कि इस संबंध में उन्होंने सांसद काकोली घोष दस्तीदार से भी संपर्क किया है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं बताया गया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि घोष ने दस्तीदार की अगुवाई वाले गुट को समर्थन देने का फैसला किया है। कहा यह भी जा रहा है कि उन्होंने इससे जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में लगातार टूट जारी है।

बुधवार को राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने पार्टी और पद से इस्तीफा दे दिया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। पिछले 3 दिनों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं।

दिल्ली अग्निकांड

इक्कीस मौतों के बाद खुल रहा है फर्जीवाड़े का 'खेल'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर के एक बेड एंड ब्रेकफास्ट (बी एंड बी) प्रतिष्ठान में लगी भीषण आग की जांच कर रही पुलिस को नए सबूत मिले हैं और अब वह लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया, संचालन व्यवस्था तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन में संभावित अनियमितताओं की जांच कर रही है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नए तथ्य तीन जून को हौज रानी स्थित 'फ्लोरिश स्टे' बी एंड बी में लगी आग के मामले में गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज और लेखाकार जय मिश्रा से पूछताछ के दौरान सामने आए। इस अग्निकांड में 21 लोगों की मौत हो गई थी। पूछताछ के दौरान मिश्रा ने जांचकर्ताओं को बताया कि बजाज के कहने पर उन्होंने बी एंड बी लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अपने व्यक्तिगत दस्तावेज उपलब्ध कराए थे, जबकि आवेदन प्रक्रिया का संचालन होटल मालिक ने किया था। इस खुलासे के बाद जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि जब भवन और प्रतिष्ठान का वास्तविक स्वामित्व कथित तौर पर बजाज के पास था, तब लाइसेंस एक कर्मचारी के नाम पर कैसे प्राप्त किया गया।

मुफ्त राशन, 4 करोड़ घर और एलपीजी कनेक्शन

- पीएम मोदी ने दिया अपने कार्यकाल के 12 साल का ब्योरा
- **महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे का विकास-** प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। महिलाओं के नाम पर 32 करोड़ से अधिक जन धन बैंक खाते खोले गए हैं। सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि लखपति दीदी कार्यक्रम के तहत 3 करोड़ महिलाओं की वार्षिक आय 1 लाख रुपये या उससे अधिक हो चुकी है। साथ ही 10 करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाएं 91 लाख से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में शुरू और पूर्ण किए गए प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उल्लेख किया। इनमें अटल सेतु, सुदर्शन सेतु, चिनाब रेल पुल, बोगीबील पुल और पंबन सी ब्रिज जैसी ब्रिज शामिल हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार के पिछले 12 वर्ष विश्वास, विकास और जन कल्याण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और सबसे पहले राष्ट्र भावना से प्रेरित होकर युवाओं, महिलाओं और किसान भाई-बहनों को सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। पीएम मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, अथक प्रयासों के फलस्वरूप ही आज देश ने बुनियादी ढांचे से लेकर डिजिटल क्रांति तक विश्व स्तर पर एक नई पहचान हासिल की है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सरकार सेवा, सुशासन और समृद्धि के इस पथ पर निरंतर अग्रसर रहेगी।

विकास और जन कल्याण को समर्पित रहे 12 साल

पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार के बीते 12 वर्ष विश्वास, विकास और जन कल्याण को समर्पित रहे हैं। देश के 140 करोड़ लोगों के आशीर्वाद और राष्ट्र प्रथम की भावना से हमने युवाओं, महिलाओं और अपने किसान भाई-बहनों को सशक्त बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। यह हमारे अथक प्रयासों का ही नतीजा है कि इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर डिजिटल क्रांति तक आज देश को दुनिया भर में एक नई पहचान मिली है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हम सेवा, सुशासन और समृद्धि के इसी पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे।

नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान इसी महीने

- बीजेपी में बड़े संगठनात्मक बदलाव की तैयारी पूरी
- **संसदीय बोर्ड में भी बड़े बदलाव की तैयारी-** एक सूत्र ने बताया कि करीब एक हफ्ते में नए पदाधिकारियों के नामों का ऐलान किया जाएगा। नितिन नवीन अभी 45 साल के हैं। वो सबसे युवा बीजेपी अध्यक्ष बने हैं। यही नहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता बीजेपी को ज्यादा समावेशी और युवा बनाने पर जोर दे रहे हैं। ऐसे में, नए पदाधिकारियों की टीम में युवा और अनुभवी लोगों का मेल देखने को मिल सकता है, जिसमें ओबीसी और दलित जैसे अहम राजनीतिक वर्गों पर भी ध्यान दिया जाएगा। **केंद्रीय कैबिनेट में भी फेरबदल की चर्चा-** नितिन नवीन बड़े पैमाने पर राज्यों का दौरा कर रहे हैं, पार्टी इकाइयों से फीडबैक ले रहे। इसके साथ ही बीजेपी अध्यक्ष अपनी प्राथमिकताएं तय कर रहे हैं। माना जा रहा है कि इस कवायद से बीजेपी आलाकमान को बड़े बदलावों के दौरान फैसले लेने में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम-बंगाल में जिस तरह से बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की, उसके बाद केंद्र की सत्ताधारी पार्टी फुल ऐक्शन मोड पर दिख रही है। जल्द ही पार्टी संगठन में बड़े बदलाव नजर आ सकते हैं। नितिन नवीन के बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद से ही ये चर्चा चल रही थी कि जल्द ही पार्टी में अहम फेरबदल हो सकते हैं। अब ऐसी खबर आ रही कि इसी महीने 'नवीन' टीम कमान संभाल सकती है। बीजेपी की संगठनात्मक टीमों में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। इसमें पार्टी की सर्वोच्च यूनिट संसदीय बोर्ड भी शामिल है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि

15 जून के बाद पदाधिकारियों की नई टीम का ऐलान किया जा सकता है। आमतौर पर नए अध्यक्ष के चुने जाने के बाद संगठनात्मक टीमों में फेरबदल किया जाता है।

भारत का पहला एआई डेटा सेंटर बनाएगी रिलायंस और मेटा

गुजरात के जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता वाला प्लांट बनेगा; क्लीन एनर्जी के लिए भी साझेदारी

एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और 'मेटा कंप्यूट' पर भारी निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेटा भारत में अपना पहला एआई-इनेबल्ड डेटा सेंटर बनाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी कर रही है। इस पार्टनरशिप के तहत गुजरात के जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर तैयार किया जाएगा, जिसे दो साल के भीतर डिलीवर करने का लक्ष्य है। इस साझेदारी के तहत रिलायंस जामनगर में डेटा सेंटर को पूरी तरह से विकसित करेगी। रिलायंस प्रोजेक्ट के लिए डिजाइन, कंस्ट्रक्शन, यूटिलिटी मैनेजमेंट, रिन्यूएबल पावर, नेटवर्क कनेक्टिविटी और मैनेज्ड सर्विसेज सहित एंड-टू-एंड सर्विसेज देगी। रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा, मेटा के साथ यह साझेदारी भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक बदलावकारी पल है।

मेटा अपनी बढ़ती एआई जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने पर निवेश कर रही है। जुकरबर्ग ने मेटा कंप्यूट नामक एक टॉप-लेवल पहल के जरिए इस दशक में डिकेड्स ऑफ गीगावाट और आगे चलकर हंड्रेड्स ऑफ गीगावाट या उससे ज्यादा क्षमता बनाने का प्लान बनाया है। जनवरी 2026 में उन्होंने डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन की पूर्व सलाहकार दीना पॉवेल मैकॉर्मिक को प्रेसिडेंट और वाइस चेयरमैन नियुक्त किया, जो सरकारों के साथ मिलकर मेटा के एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और फाइनेंसिंग पर फोकस कर रही हैं। अप्रैल में मेटा ने अपने पूरे साल के अनुमान को बताया है।

यूपी में सीट बंटवारे की शुरू हुई सुगबुगाहट!

- इन अटकलों के बीच दिल्ली पहुंचे एनडीए के सहयोगी
- विधानसभा चुनाव से पहले एकजुटता दिखाने की कोशिश

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर दिल्ली में बड़े जश्न की तैयारी की जा रही है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के सहयोगी एकजुटता दिखाने की तैयारी में हैं। यूपी से एनडीए के सभी सहयोगी शामिल होंगे, जिनमें अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल, सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी शामिल हैं। ओपी राजभर और संजय निषाद मंगलवार को दिल्ली पहुंच गए, वहीं जयंत ने एनडीए के इस खास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने सभी दूसरे राजनीतिक कार्यक्रम रद्द कर दिए, जिसमें बुधवार को शामली में होने वाली रैली भी शामिल थी। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 10 जून, 2026 को एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने का जश्न मनाया गया है।

इस अवसर पर राजभर ने कहा कि पिछले 12 सालों में एनडीए सरकार ने राष्ट्रीय विकास,गरीबों के कल्याण, सामाजिक न्याय,बुनियादी ढांचे और किसानों, युवाओं व महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में ऐतिहासिक काम किया है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनाई है। **संजय निषाद:** वहीं, संजय निषाद ने कहा कि एनडीए सरकार की नीतियों और योजनाओं का फायदा समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचा है। सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को जमीनी स्तर पर हकीकत में बदलने का काम किया है।

यूपी चुनाव से पहले सहयोगियों की एकजुटता अहम

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में एनडीए सहयोगियों का एकजुटता दिखाना बहुत अहम है क्योंकि यहां अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं। सूत्रों के मुताबिक, सभी सहयोगियों को एक मंच पर लाकर भाजपा का मकसद इस धारणा को खत्म करना है कि सिर्फ विपक्ष ही एकजुटता दिखा रहा है। संदेश यह है कि जहां इंडिया ब्लॉक एकजुटता पर चर्चा कर रहा है, वहीं एनडीए इसे सार्वजनिक रूप से दिखा रहा है।

सहयोगियों और विरोधियों दोनों के लिए राजनीतिक संकेत

इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर राष्ट्रीय कार्यक्रम में एकजुट मोर्चा पेश करने का एनडीए का फैसला सिर्फ जश्न मनाने से कहीं ज्यादा है। जानकारों का कहना है कि यह उत्तर प्रदेश विधानसभा के अहम चुनावों से पहले सहयोगियों और विरोधियों, दोनों के लिए एक राजनीतिक संकेत है। यूपी में अहम सहयोगियों की मौजूदगी से शायद यह संदेश गया है कि सीट-बंटवारे की बातचीत और अलग-अलग सहयोगियों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को लेकर बढ़ती अटकलों के बावजूद एनडीए गठबंधन बरकरार है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन के गेट पर लटककर बनाई वीडियो, 2000 जुर्माना

हाजीपुर। वैशाली में चलती ट्रेन के गेट पर लटककर वीडियो बनाने वाली एक महिला पर राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) ने कार्रवाई की है। GRP ने महिला को पूछताछ के लिए बुलाया, जिसके बाद न्यायालय ने उस पर 2000 रुपये का जुर्माना लगाया। महिला को भविष्य में ऐसी कोई भी गैर-जिम्मेदाराना हरकत न करने की चेतावनी भी दी गई है। यह मामला तब सामने आया जब हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में एक महिला चलती ट्रेन के गेट को पकड़कर बाहर लटकी हुई थी और वीडियो बना रही थी।

वीडियो में महिला को यह कहते हुए सुना गया था, "हम वीडियो बनवईबई त कोई बोलतई रें।" वीडियो वायरल होने के बाद जीआरपी ने मामले को गंभीरता से लिया। जीआरपी ने महिला को नोटिस जारी कर रेलवे सुरक्षा पोस्ट हाजीपुर में पूछताछ के लिए बुलाया। जीआरपी थाना की एसआई शालिनी गुप्ता ने इस कार्रवाई की जानकारी दी। पूछताछ के दौरान महिला ने अपनी पहचान पिंकी देवी, पति अनिल पासवान, निवासी दुबहा वार्ड नंबर 3, थाना सहदेई बुजुर्ग के रूप में बताई। उसने स्वीकार किया कि उसने जून महीने में हाजीपुर से मुजफ्फरपुर जाते समय ट्रेन में यह वीडियो बनाया था। जांच और पूछताछ के बाद महिला पर 2500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पिंकी देवी ने भविष्य में ऐसी कोई गलती न दोहराने और इस तरह का कोई वीडियो न बनाने का आश्वासन दिया है।

हजुई पोखर में डूबने से शख्स की मौत, शौच के बाद हाथ-पैर धोते समय हादसा

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत हजुई पोखर में एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। शौच के बाद हाथ-पैर धोने के दौरान यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान सुल्तानपुर निवासी स्वर्गीय लालबाबू राय के बेटे संजय कुमार के रूप में हुई है। संजय कुमार प्रतिदिन सुबह टहलने के लिए पोखर की ओर जाते थे। सुबह भी वह घर से निकले थे। शौच के बाद पोखर में हाथ-पैर धोते समय उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में डूब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग और राहगीर जमा हो गए। ग्रामीणों और परिजनों को सूचना मिलने पर वे पोखर के पास पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से पोखर में संजय कुमार की तलाश शुरू की गई। कुछ देर बाद उन्हें पोखर से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना औद्योगिक क्षेत्र थाना अध्यक्ष अरविंद पासवान को दी गई। पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और जानकारी लेने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर गांव लौट गए। मृतक की मां और भाई ने बताया कि संजय कुमार सुबह करीब 6 बजे टहलने के लिए पोखर की तरफ निकले थे, और एक बच्चे ने उनके डूबने की सूचना दी थी।

वैशाली में बिजली कर्मी पर ईंट से हमला, खराब ट्रांसफार्मर ठीक करते समय पिटाई, वीडियो वायरल

हाजीपुर। वैशाली के महुआ प्रखंड स्थित मुकुंदपुर वार्ड संख्या 23 में एक बिजली कर्मी पर हमला किया गया है। यह घटना 9 जून की दोपहर को हुई, जब कर्मी श्रवण गिरी कब्रिस्तान के पास खराब ट्रांसफार्मर की मरम्मत कर रहे थे। श्रवण गिरी को कुछ लोगों ने पकड़ लिया और उनकी पिटाई की। पिटाई का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमलावर ईंट और बांस का इस्तेमाल करते दिख रहे हैं। घायल कर्मी को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमला करने वाले युवकों की पहचान मोहम्मद सेराज, मोहम्मद इस्तियाक और मोहम्मद शफी के रूप में हुई है, जो सभी मुकुंदपुर गांव के निवासी हैं। घायल कर्मी श्रवण गिरी (पिता रामेश्वर गिरी) ने विद्युत विभाग के कनीय अभियंता सुशांत कुमार को लिखित आवेदन दिया है। उन्होंने अपने आवेदन में तीन आरोपियों को नामजद किया है। पीड़ित ने बताया कि हमलावरों ने उनके सिर पर ईंट से और सीने व हाथ पर बांस से वार किया। घटना के समय मौके पर मौजूद अन्य बिजली कर्मियों ने श्रवण गिरी को तुरंत अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पीड़ित बिजली कर्मी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कनीय अभियंता सुशांत कुमार ने बताया कि आवेदन मिलते ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। महुआ थाना अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने पुष्टि की कि उन्हें मामले का आवेदन प्राप्त हुआ है और जांच के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद बिजली कर्मियों में चिंता का माहौल है। उन्होंने फील्ड में काम के दौरान अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

आईसीयू ड्यूटी छोड़ भागने के आरोप में डॉक्टर निलंबित

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर प्रसाद अस्पताल आईसीयू अग्निकांड मामले में प्रशासन का एक्शन लगातार जारी है। सात मरीजों की जान लेने वाली इस घटना के बाद अब स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आईसीयू ड्यूटी के दौरान मरीजों को छोड़कर चले जाने के आरोपी डॉक्टर पंकज कुमार को निलंबित कर दिया है। वहीं दूसरी ओर जिले में चल रहे विशेष जांच अभियान के तहत अब तक 25 निजी अस्पतालों और नर्सिंग होमों को सील किया जा चुका है। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन की अनुशंसा पर स्वास्थ्य विभाग ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बंदरा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आरोप है कि 4 जून को प्रसाद अस्पताल के आईसीयू में आग लगने के समय वह ड्यूटी पर तैनात थे, लेकिन आग लगने के दौरान मरीजों को छोड़कर वहां से चले गए। इतना ही नहीं, सरकारी सेवा में रहते हुए निजी अस्पताल में काम करने और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के आरोप भी उन पर लगे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले को गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और मरीजों के प्रति संवेदनहीनता मानते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के तहत कार्रवाई की है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग, पटना निर्धारित करेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। साथ ही पूरे मामले की विभागीय जांच भी कराई जाएगी। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने स्पष्ट कहा है कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में तैनात चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों से पूर्ण जवाबदेही की अपेक्षा की जाती है। सरकारी दायित्वों के निर्वहन में शिथिलता बरतने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उम्मीद छोड़ चुके लोगों को मिला खोया फोन, मुजफ्फरपुर पुलिस ने बरामद कर लौटाए 106 मोबाइल

मुजफ्फरपुर। मोबाइल खोने या चोरी होने के बाद अधिकांश लोग उसकी वापसी की उम्मीद छोड़ देते हैं, लेकिन मुजफ्फरपुर पुलिस का "ऑपरेशन मुस्कान" ऐसे लोगों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौटा रहा है। अभियान के तहत पुलिस ने करीब 35 लाख रुपये मूल्य के 106 गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया। मोबाइल वापस मिलने के बाद लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने पुलिस की इस पहल की जमकर सराहना की। मोबाइल मिलने के बाद लोगों की खुशी देखते ही बन रही थी। कल्याणी निवासी मदन कुमार पटेल ने बताया कि मंदिर से घर लौटने के दौरान उचक्कों ने उनका मोबाइल छीन लिया था। घटना के बाद वह काफी परेशान थे और मोबाइल मिलने की उम्मीद लगभग छोड़ चुके थे। लेकिन शिकायत के महज 15 दिनों के भीतर पुलिस ने उनका मोबाइल बरामद कर उन्हें सौंप दिया। उन्होंने कहा कि मोबाइल वापस मिलने की अब कोई उम्मीद नहीं थी, इसलिए पुलिस का यह प्रयास उनके लिए बड़ी राहत लेकर आया है। औराई की रहने वाली आशा कुमारी ने बताया कि उनका मोबाइल 24 फरवरी को चोरी हो गया था। मोबाइल में कई जरूरी दस्तावेज और संपर्क नंबर थे, जिसके कारण वह काफी परेशान थीं। समय बीतने के साथ उन्होंने भी मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी और नया फोन खरीद लिया था। लेकिन करीब चार महीने बाद जब मुजफ्फरपुर पुलिस ने उनका मोबाइल वापस लौटाया, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

लोन दिलाने के नाम पर साइबर ठगी, पटना से 3 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

- देशभर में 400 से ज्यादा शिकायतें मिलीं, छापेमारी जारी

पटना में लोन दिलाने, एटीएम पिन जनरेट कराने, क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने और रिवॉर्ड प्वाइंट रिडीम कराने के नाम पर लोगों को ठगने वाले साइबर गिरोह का पटना पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। CCSU की साइबर टीम और साइबर थाना की संयुक्त कार्रवाई में दो पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से कई मोबाइल फोन, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और एक लैपटॉप बरामद किया गया है।

बैंकों और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि बनकर की ठगी: पुलिस ने यह कार्रवाई नवनीत नगर, रानीपुर मेहंदीगंज और अशोक नगर वार्ड-11, कंकड़बाग इलाके में की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि बनकर लोगों से संपर्क करते थे और उन्हें झांसे में लेकर ठगी की वारदात को अंजाम देते थे।

400 से अधिक शिकायतें मिलीं: साइबर DYSP नीतीश चंद्र धारिया ने बताया कि तकनीकी जांच के दौरान आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर कई शिकायतें दर्ज मिली हैं। इसके अलावा देश के कई राज्यों से 400 से अधिक मामलों की जानकारी सामने आई है। उन्होंने बताया कि जांच में दो अन्य लोगों की संलिप्तता भी सामने आई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का मानना है कि यह एक संगठित साइबर अपराध गिरोह है, जो सुनियोजित तरीके से लोगों को निशाना बनाता था।

नालंदा और पटना के रहने वाले हैं आरोपी: गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गौरव राज, सपना कुमारी और निखिल कुमार (20 वर्ष) के रूप में हुई है। इनमें गौरव राज और सपना कुमारी नालंदा जिले के हाजीपुर क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जबकि निखिल कुमार पटना के कंकड़बाग का निवासी है।

न्यायिक हिरासत में भेजे गए: पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं, उनकी निशानदेही पर फरार साथियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। साइबर थाना की टीम जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और दस्तावेजों की भी जांच कर रही है, ताकि ठगी के नेटवर्क और पीड़ितों की संख्या का पता लगाया जा सके।

फुलवारीशरीफ में दिनदहाड़े युवक को गोली मारी

एजेंसी, पटना

- सैदनपुर गांव में बाइक लूटकर हुए फरार, दोस्त पर हमले का आरोप

पटना के फुलवारीशरीफ में बुधवार को दिनदहाड़े एक युवक को पीठ में गोली मार दी गई। घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए पटना के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। घायल युवक की पहचान रामकृष्ण नगर निवासी विकास कुमार (36) के रूप में हुई है। विकास ने पुलिस को बताया कि उसके दोस्त ने ही उसे गोली मारी और उसकी बाइक लेकर फरार हो गया। यह घटना पंचरुखिया थाना क्षेत्र के सैदनपुर गांव में हुई। विकास के अनुसार, वह अपने दोस्त के साथ अपनी गाड़ी से सैदनपुर आया था, तभी दोस्त ने अचानक उसकी पीठ में गोली मार दी। गोली लगने के बाद विकास गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया अस्पताल: घटना की सूचना मिलते ही पंचरुखिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया था।

पंचरुखिया थाना प्रभारी ने बताया कि घायल युवक का बयान दर्ज किया जा रहा है। प्रारंभिक पूछताछ में युवक ने अपने ही दोस्त पर गोली मारने का आरोप लगाया है, हालांकि घटना के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि घायल युवक से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पुलिस आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। साथ ही फरार आरोपी द्वारा ले जाई गई बाइक की भी तलाश जारी है।

बाढ़ में महाने-धारदा नदी पर युद्धस्तर पर बन रहे चेकडैम

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ और फतुहा अनुमंडल में किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चेकडैम निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। दो प्रमुख परियोजनाओं पर करीब 10 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जिनके पूरा होने के बाद हजारों किसानों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। बाढ़ अनुमंडल के महाने नदी पर अंदौली चेकडैम का निर्माण जनवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

करीब 4 करोड़ रुपये की लागत से जयप्रकाश कंस्ट्रक्शन कंपनी (जेपीसी) इस परियोजना को क्रियान्वित कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, अंदौली चेकडैम बनने के बाद आसपास के करीब 10 गांवों की 1500 एकड़ से अधिक कृषि भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इससे किसानों की खेती पर निर्भरता बढ़ेगी और फसल उत्पादन में भी सुधार होने की संभावना है। इसके अलावा चेकडैम से जल संचयन बढ़ेगा, जिससे आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर में भी सुधार होगा। मानसून को देखते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है ताकि निर्धारित समयसीमा के भीतर परियोजना पूरी की जा सके। जेपीसी के अधिकारी सूरज साह ने बताया कि योजना के तहत पहला चेकडैम फतुहा प्रखंड की जैतीया पंचायत में धारदा नदी पर और दूसरा बाढ़ अनुमंडल के अंदौली में महाने नदी पर बनाया जा रहा है।

पटना में 22 करोड़ की ब्राउन शुगर-स्मैक बरामद

एजेंसी, पटना

- पुलिस को एक सप्ताह में मिली बड़ी सफलता, मुख्य सरगना और पत्नी की तलाश जारी

पटना में एक सप्ताह के भीतर 22 करोड़ रुपये की ब्राउन शुगर बरामद की गई है। पटना पुलिस ने राजधानी में एक्टिव एक बड़े ड्रग्स नेटवर्क का खुलासा किया है, जिसे पति-पत्नी और साला-बहनोई मिलकर यह कारोबार चला रहे थे। इसी कड़ी में पटना पुलिस ने मंगलवार को रामकृष्ण नगर इलाके में छापेमारी के दौरान लगभग 15 किलोग्राम स्मैक, एक पिस्टल और कारतूस के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पटना एसएसपी की विशेष टीम डीआईयू (DIU) द्वारा की गई, जो 3 जून को फुलवारीशरीफ के गोपालपुर थाना क्षेत्र में हुई बड़ी बरामदगी से जुड़ी हुई है।

सोरनपुर में छापेमारी, भारी मात्रा में स्मैक बरामद: मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि सोरनपुर देवी स्थान के पास एक मकान में बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री हो रही है। यहीं से पूरे पटना और अन्य जिलों में स्मैक की आपूर्ति की जा रही थी। इसी सूचना के आधार पर देर रात छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस ने मौके से छोटू उर्फ चिंटू और मोनू कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से लगभग 15 किलो स्मैक बरामद की गई है। पुलिस का यह मानना है कि 6 दिन पहले गोपालपुर थाना क्षेत्र के बेईमान टोला में संतोष साव के घर से बरामद किए गए 7 करोड़ के ब्राउन शुगर तस्करी मामले में छोटू कुमार आरोपी है। पुलिस छोटू कुमार को एक सप्ताह से तलाश कर रही थी। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई है। डीआईयू टीम अब पूरे नेटवर्क के लिंकेज खंगाल रही है।

यह कार्रवाई 3 जून को फुलवारी के गोपालपुर में हुई कार्रवाई जुड़ी है। 3 जून की रात करीब 10 बजे महिला सब इंस्पेक्टर जया कुमारी को सूचना मिली थी कि नयाचक, बेईमान टोला स्थित संतोष साव के घर पर नशे की बड़ी खेप आई है, जिसे बाहर सप्लाई करने की तैयारी चल रही है। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम ने डीआईयू टीम और संपतचक के अंचलाधिकारी (मजिस्ट्रेट) के साथ संतोष साव के घर को चारों तरफ से घेरकर छापेमारी की। इस दौरान उस मामले में पुलिस ने संतोष साव के घर पर छापेमारी कर 5.815 किलोग्राम हेरोइन, 815 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 7 करोड़ रुपये बताई जा रही है। 18 लाख 66 हजार 110 रुपये नकद, हथियार, कारतूस और एक स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त किया गया। पुलिस ने मौके से ब्राउन शुगर तस्करी के सरगना संतोष साव के साले कृष्ण कुमार राम (38) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में कृष्ण कुमार राम ने खुलासा किया कि उसकी बहन रेखा देवी, बहनोई संतोष साव, सीमा कुमारी और छोटू कुमार मिलकर ब्राउन शुगर तस्करी का बड़ा नेटवर्क चला रहे थे।

एलसीटी घाट पर युवक के डूबने की आशंका रुपये के लेन-देन को लेकर था विवाद

एजेंसी, पटना

- परिजनों ने कहा- मोहल्ले के युवकों ने डूबाकर मार डाला

पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र स्थित LCT घाट पर एक 30 वर्षीय युवक संदिग्ध परिस्थितियों में गंगा नदी में डूब गया। युवक की पहचान मैनपुरा महंथा कॉलेज के पास रहने वाले गोपाल कुमार के रूप में हुई है, जो पेशे से ऑटो चालक था। घटना के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए कुछ युवकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

रुपए के लेन-देन को लेकर था विवाद: मृतक की मां सुनीता देवी ने बताया कि, 'करीब 15 दिन पहले मोहल्ले में रुपये के लेन-देन को लेकर गोपाल के साथ मारपीट की गई थी। उनका आरोप है कि रविवार दोपहर कुछ युवक गोपाल को घर से बुलाकर अपने साथ ले गए थे। देर शाम जब वे युवक वापस लौटे तो उन्होंने गोपाल के बारे में पूछताछ की। इस पर युवकों ने बताया कि वे लोग उसे काफी देर तक खोजते रहे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद सभी अपने-अपने घर चले गए।

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप: गोपाल की मां का आरोप है कि उनके बेटे को जानबूझकर नदी में डुबोकर मार दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिन युवकों के साथ गोपाल गया था, उन्हीं पर उन्हें संदेह है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस मामले को केवल डूबने की घटना बताने का प्रयास कर रही है, जबकि परिवार हत्या की आशंका जता रहा है। मां के मुताबिक, 'जब मैं पुलिस के पास गई तो उन्होंने कहा कि कोई पूछे तो सिर्फ कहना है डूब गया है, जबकि मेरे बेटे को डूबाकर मार दिया है।'

24 घंटे बाद भी नहीं मिला शव: घटना के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद गोपाल का शव बरामद नहीं हो सका है। परिजनों का कहना है कि वे लगातार प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मृतक की मां ने आरोप लगाया कि जिन लोगों पर उन्हें शक है, वे घटना के समय नशे में थे। इसके बावजूद उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पुलिस कर रही जांच: पाटलिपुत्र SHO अतुलेश कुमार सिंह का कहना है कि नहाने गया था, इसी दौरान डूब गया। मामले की छानबीन की जा रही है। फिलहाल पुलिस और स्थानीय प्रशासन की ओर से युवक की तलाश जारी है। शव बरामद होने और जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

खुले आसमान के नीचे मेगा स्क्रीन पर देख सकेंगे मूवी

एजेंसी, पटना

पटनावासी फ्री में मेगा स्क्रीन पर फिल्मों का आनंद ले सकते हैं। दरअसल, गांधी मैदान गेट नंबर-4 के पास लगे मेगा स्क्रीन को फिर से शुरू किया जा रहा है। अब हर शनिवार और रविवार शाम 6 बजे से फिल्म दिखाया जाएगा। इस शनिवार और रविवार को पुष्पा फिल्म दिखाई जाएगी। 13 जून को पुष्पा 1 और 14 जून को पुष्पा 2 का दर्शक आनंद ले सकते हैं। फ़िल्मों के अलावा क्रिकेट और कई सांस्कृतिक आयोजनों को भी दिखाया जाएगा।

एक साथ 5,000 दर्शक देख सकते शो: पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा इस मेगा स्क्रीन की शुरुआत 2021 में की गई थी। बीच में ये स्क्रीन कई सालों से बंद पड़ी थी। 70 फीट × 40 फीट आकार की यह विशाल स्क्रीन शहर की प्रमुख सार्वजनिक सुविधाओं में से एक है, जिसे लगभग 70 से 320 फीट की दूरी से भी आसानी से देखा जा सकता है। लगभग 5,000 लोगों की क्षमता वाली इस व्यवस्था में फुल एचडी पिक्चर, एज-ब्लेंडिंग तकनीक और डॉल्बी डिजिटल सराउंड साउंड सिस्टम की सुविधा उपलब्ध है। पटना स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत गांधी मैदान में लगा मेगा स्क्रीन देश का सबसे बड़ा आउटडोर स्क्रीन है, जहां लोग फ्री में फिल्म आदि का लुत्फ उठा सकते हैं। बडोदरा, मुंबई, दिल्ली आदि में ड्राइव-इन थियेटर हैं, जहां लोग अपनी गाड़ियों में बैठकर फिल्में देखते हैं।

तेजस्वी का सरकार से सवाल

नौसिखिए मुख्यमंत्री गैर-जरूरी मुद्दों में उलझे, पेंशन के लिए आकस्मिकता निधि से रकम क्यों निकाले?

एजेंसी, पटना

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर किए जाने से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार की वित्तीय स्थिति को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए पूछा कि क्या बिहार दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया है और क्या डबल इंजन सरकार की नीतियों के कारण राज्य में वित्तीय आपातकाल जैसी स्थिति बनने वाली है।

आकस्मिकता निधि से पेंशन भुगतान पर उठाए सवाल: तेजस्वी यादव ने दावा किया कि, 'बिहार कैबिनेट ने मई, जून और जुलाई 2026 की सामाजिक सुरक्षा पेंशन के भुगतान के लिए बिहार आकस्मिकता निधि से 3662 करोड़ निकालने की मंजूरी दी है।'

सरकार पर लगाए कई गंभीर आरोप: नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि, 'पिछले कई महीनों से कर्मचारियों के वेतन और पेंशन भुगतान में देरी हो रही है। ठेकेदारों का भुगतान लंबित है, कई स्वीकृत विकास योजनाओं पर काम शुरू नहीं हुआ है और छात्रवृत्ति व स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाएं भी प्रभावित हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि फंड की कमी के कारण बिहार राज्य फसल सहायता योजना को बंद करने का निर्णय लिया गया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि, 'दशकों से डबल इंजन सरकार होने के बावजूद यदि पेंशन जैसी योजनाओं के लिए आकस्मिकता निधि का सहारा लेना पड़ रहा है, तो मुख्यमंत्री को इसका जवाब देना चाहिए।

बिहार में 13 जून तक भारी बारिश की चेतावनी लोगों के मोबाइल फोन पर भेजा गया अलर्ट

एजेंसी, पटना

- मुजफ्फरपुर-मधुबनी में बारिश, खगड़िया में बादल छाए

मौसम विभाग ने 13 जून तक बिहार में बारिश की चेतावनी जारी की है। इसे लेकर लोगों के फोन पर वॉर्निंग मैसेज भी भेजा गया है। मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से 13 तारीख तक उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। साथ ही, 11 और 12 जून, 2026 को तेज़ हवाओं (50-60 किमी/घंटा) के साथ आंधी-तूफान और ओलावृष्टि की भी आशंका है। इधर, गर्मी के बीच मुजफ्फरपुर औप मधुबनी में मौसम बदला है। इन दोनों जिलों में दोपहर 3 बजे के बाद बारिश हुई है। खगड़िया में तेज धूप के बाद बादल छाए हैं। सुबह-सुबह बगहा में झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 24 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि 9 जिलों में यलो अलर्ट है।

10 जिलों में बारिश, गर्मी से मिली राहत: पिछले 24 घंटे में 10 जिलों में तेज हवा के साथ झमाझम बारिश हुई। इन जिलों में बेतिया, मोतिहारी, बेगूसराय, लखीसराय, खगड़िया, भागलपुर, सहरसा, मधेपुरा, अररिया और मुंगेर में तेज हवा के साथ बारिश हुई है। बेगूसराय में एक ऑटो के ऊपर पोल गिर गया। ड्राइवर बाल-बाल बच गया।

अगले 5 दिनों में कैसा रहेगा तापमान: मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले पांच दिनों तक बिहार में अधिकतम तापमान 36 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। जिन जिलों में बारिश होगी, वहां का तापमान 34 से 38 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। जबकि दक्षिण-पश्चिम बिहार के कुछ इलाकों में 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है। सप्ताह के अंत तक अधिकांश जिलों में गर्मी से कुछ राहत मिलने के संकेत हैं। राजधानी में आज हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। दिन का तापमान 38 से 40 डिग्री के बीच रह सकता है। शाम और रात के समय मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहने के आसार है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर छात्रों को दिखाई गई विकास यात्रा

बीएनएम@ मोतिहारी

केंद्र की भाजपा में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा नेता एवं उद्योगपति यमुना कुमार सीकरिया ने अपने शिक्षण संस्थान में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में हुए विकास कार्यों, जनहित योजनाओं और देश की वैश्विक प्रतिष्ठा में हुई वृद्धि को प्रदर्शित किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर उन्हें बधाई भी दी गई। इस अवसर पर भाजपा नेता यमुना कुमार सीकरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के मंत्र के साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से उद्योगों का विस्तार हो रहा है तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। भारतीय कंपनियां विदेशों में अपनी पहचान मजबूत कर रही हैं और विभिन्न क्षेत्रों में अधिग्रहण भी कर रही हैं।उन्होंने कहा कि भारत आज स्वदेशी रक्षा उपकरणों का निर्माण कर रहा है और उनका निर्यात भी कर रहा है। कई देशों को भारतीय रक्षा सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, जो देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने कम समय में अपनी क्षमता का परिचय दिया है। सीकरिया ने कहा कि आज विश्व के बड़े देशों में भारत को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है और प्रधानमंत्री मोदी को कई देशों द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया है। उन्होंने नई शिक्षा नीति, मातृभाषा में शिक्षा, किसान सम्मान निधि, पीएम सूर्य घर बिजली योजना, आयुष्मान भारत योजना सहित अनेक कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए वंदे भारत ट्रेनों का नेटवर्क देशभर में तेजी से विस्तार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने भी सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन का दिया गया प्रशिक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी/रामगढ़वा

खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत रामगढ़वा में किसानों के बीच जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को केंचुआ खाद (वर्मीकम्पोस्ट) उत्पादन की वैज्ञानिक विधि एवं इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. आशीष राय, मृदा विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) परसौनी ने वर्मी बेड के सजीव प्रदर्शन के माध्यम से केंचुआ खाद तैयार करने की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि वर्मीकम्पोस्ट एक उत्कृष्ट जैविक उर्वरक है, जिसे केंचुओं की सहायता से गोबर, फसल अवशेषों एवं अन्य जैविक पदार्थों को अपघटित कर तैयार किया जाता है। यह मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ फसलों की उत्पादकता में भी वृद्धि करता है।

उन्होंने किसानों को बताया कि वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए छायादार एवं ऊंचे स्थान का चयन करना चाहिए, जहां पानी का जमाव न हो। बेड विधि को सबसे उपयुक्त बताते हुए उन्होंने कहा कि सूखी पत्तियों, भूसे एवं पुराने गोबर की परत बनाकर उसमें आइसीनिया फेटिडा प्रजाति के केंचुए छोड़े जाते हैं। उचित नमी और तापमान बनाए रखने पर 60 से 90 दिनों में उच्च गुणवत्ता वाली केंचुआ खाद तैयार हो जाती है।

डॉ. राय ने कहा कि वर्मीकम्पोस्ट मिट्टी की संरचना में सुधार करती है, जलधारण क्षमता बढ़ाती है तथा नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश सहित सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता सुनिश्चित करती है। इसके प्रयोग से मिट्टी में लाभकारी जीवाणुओं की संख्या बढ़ती है और मिट्टी का पीएच स्तर संतुलित बना रहता है।

इस अवसर पर डॉ. अंशू गंगवार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्मीकम्पोस्ट आर्थिक एवं व्यावहारिक दोनों दृष्टिकोण से किसानों के लिए लाभकारी है। इसके उपयोग से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है, जिससे खेती की लागत में कमी आती है। साथ ही फसलों, फलों एवं सब्जियों की गुणवत्ता में सुधार होता है और किसानों को बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त होता है।

उन्होंने बताया कि वर्मीकम्पोस्ट के उपयोग से मिट्टी में नमी लंबे समय तक बनी रहती है, जिससे सिंचाई की आवश्यकता कम पड़ती है। इसके अलावा किसान वर्मीकम्पोस्ट एवं केंचुओं का उत्पादन कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकते हैं। यह खाद फसलों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी सहायक होती है, जिससे कीट एवं रोगों का प्रकोप कम होता है।

कार्यक्रम में किसानों ने वर्मी बेड निर्माण और केंचुआ खाद उत्पादन की तकनीक को व्यवहारिक रूप से समझा तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

मोतिहारी पुलिस महकमे में तबादला, कई पदाधिकारी हुए स्थानांतरित

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला आदेश संख्या 1767/2026 के तहत पूर्वी चंपारण पुलिस विभाग में कई पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। जारी आदेश के अनुसार विभिन्न थानों में कार्यरत अधिकारियों को नए पदस्थापन स्थल पर भेजा गया है। तबादला सूची के अनुसार एसआई राजेश कुमार तिवारी का अरेराज थाना से तुरकौलिया थाना, एएसआई अंबिका प्रसाद यादव का अरेराज थाना से रघुनाथपुर थाना, एसआई वीरेंद्र कुमार पासवान का गोविंदगंज थाना से बंजरिया थाना तथा एसआई पूजा कुमारी का गोविंदगंज थाना से पिपराकोठी थाना स्थानांतरण किया गया है। जारी आदेश में सभी संबंधित पदाधिकारियों को तीन दिनों के भीतर अपने वर्तमान पदस्थापन स्थल का प्रभार हस्तांतरित कर नए कार्यस्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

पुलिस विभाग के अनुसार प्रशासनिक आवश्यकता एवं कार्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से यह स्थानांतरण किया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

111.4 किलोग्राम गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार, नेपाल ले जाई जा रही थी खेप

बीएनएम@ बीएनएम/बेतिया

सीमावर्ती बलथर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 111.4 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त वैगनआर कार भी जब्त कर ली है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान गोपालपुर थाना क्षेत्र के घोघा वार्ड संख्या-6 निवासी गणेश रावत के पुत्र मनमोहन कुमार (35 वर्ष) के रूप में हुई है। बलथर थानाध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक वैगनआर कार में बड़ी मात्रा में गांजा लेकर तस्कर नेपाल की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती कर वाहन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान संदिग्ध वैगनआर कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें से आठ बंडलों में रखा 111.4 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। **थानाध्यक्ष ने कहा,** "पूछताछ में पता चला कि गांजा मैनाटांड़ क्षेत्र से लोड किया गया था और नेपाल के पर्सा जिले में अरमान मियां तक पहुंचाया जाना था। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह 40 हजार रुपये भाड़े के लालच में गांजा लेकर जा रहा था।" पुलिस के अनुसार चालक ने बताया कि उसे गांजा की अंतिम डिलीवरी कहां होनी थी, इसकी जानकारी नहीं थी। बरामद वैगनआर कार उसकी मां प्रभा देवी के नाम पर पंजीकृत है। थानाध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि बरामद गांजा को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस छापेमारी अभियान में थानाध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता के साथ पुलिस पदाधिकारी, जमादार एवं सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल थे।

वरिष्ठजनों के अधिकारों व सशक्तिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पूर्वी चंपारण द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से बुधवार को नालसा जागृति योजना के तहत शहर के समाहरणालय (कलेक्ट्रेट) परिसर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय "वरिष्ठजन अधिकार, सशक्तिकरण एवं गरिमा" रहा।भकार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, उनके संरक्षण, भरण-पोषण, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सम्मानजनक जीवन जीने के अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अधिकारों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। इस अवसर पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा अक्षय कुमार, एसडीसी एवं विधिक शाखा प्रभारी निधि कुमारी सहित अन्य अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनके सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के दौरान निःशुल्क विधिक सहायता, वरिष्ठ नागरिक अधिनियम तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। साथ ही जरूरत पड़ने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आम नागरिकों, वरिष्ठजनों एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें सम्मानपूर्ण एवं सुरक्षित जीवन के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों से अवगत कराना था।

नारियल के खोल से घोंसला बनाकर बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बीएनएम@बीएनएम/बेतिया

पक्षियों को सुरक्षित प्राकृतिक आश्रय उपलब्ध कराने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिले के विद्यालयों में "इको क्लब मिशन फॉर लाइफ" के तहत नारियल के खोल से घोंसला (बर्ड हाउस) बनाने की गतिविधि आयोजित की गई। यह कार्यक्रम उप विकास आयुक्त के मार्गदर्शन में समग्र शिक्षा के सहयोग से संचालित किया गया। कार्यालय पत्रांक SSA/Quality/1874, दिनांक 16 मई 2026 के निर्देश के आलोक में जिले के प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में इस गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी रचनात्मकता, प्रतिभा और सामूहिक प्रयास का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों ने नारियल के खोल से आकर्षक और उपयोगी घोंसले तैयार कर यह संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि सकारात्मक सोच और मजबूत इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। इस दौरान बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

कार्यक्रम के सफल संचालन में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्राथमिक शिक्षा) एवं समग्र शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से विद्यालयों का वातावरण उमंग, नवाचार और जागरूकता से भर उठा।

शिक्षा विभाग के अनुसार मई 2026 में जिले के कुल 346 विद्यालयों में इस गतिविधि का आयोजन किया गया। वर्तमान में ग्रीष्मावकाश के कारण विद्यालय बंद हैं। अवकाश समाप्त होने के बाद जिले के अन्य विद्यालयों में भी इस कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चों को पक्षियों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इस संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के साथ-साथ जैव विविधता संरक्षण के महत्व को भी समझाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

हाथ-पैर बांध युवक को रेलवे ट्रैक पर फेंका, ट्रेन चालक की सूझबूझ से बची जान

बीएनएम@बीएनएम/बेतिया

नरकटियागंज–मुजफ्फरपुर रेलखंड पर चनपटिया रेलवे स्टेशन के समीप बदमाशों ने एक युवक को बेहोश कर उसके हाथ-पैर बांध दिए और रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। युवक के गले से सोने की चेन भी छीन ली गई। समय रहते ट्रेन चालक की सतर्कता से उसकी जान बच गई।

पीड़ित की पहचान चनपटिया के सामरी टोला निवासी आदर्श कुमार के रूप में हुई है।

रेल थाना अध्यक्ष राजेश पासवान ने बताया कि आदर्श कुमार रात में भोजन करने के बाद रेलवे ट्रैक के आसपास टहल रहा था। इसी दौरान दो अज्ञात अपराधियों ने कथित रूप से नशीले पदार्थ से भीगा रुमाल उसके मुंह पर रखकर उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद बदमाशों ने उसके हाथ-पैर बांध दिए और उसे रेलवे लाइन पर छोड़ दिया। साथ ही उसके गले से सोने की चेन भी लूट ली।

उन्होंने बताया कि सुबह करीब 4:30 बजे नरकटियागंज से मुजफ्फरपुर जाने वाली सवारी ट्रेन के चालक की नजर ट्रैक पर पड़े युवक पर पड़ी। चालक ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेन रोक दी और इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही एस्कॉर्ट ड्यूटी में तैनात जवान मौके पर पहुंचे और युवक को सुरक्षित बचा लिया।

राजेश पासवान ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है तथा अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नशीला पदार्थ खिलाकर लूटपाट की घटनाओं में हाल के दिनों में वृद्धि हुई है। ऐसे मामलों में शामिल अपराधी प्रायः युवाओं को निशाना बनाते हैं। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

हत्या के प्रयास मामले में नामजद अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा गया जेल

बीएनएम@हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 298/26, दिनांक 7 जून 2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 126(2), 115(2), 118(1), 352, 109(1) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले के प्राथमिक अभियुक्त परदेशी सहनी, निवासी रामनगर गायघाट, को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

उन्होंने कहा, "मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। अभियुक्त की गिरफ्तारी के बाद सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है तथा अन्य बिंदुओं पर भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।"

थानाध्यक्ष ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए हरसिद्धि पुलिस लगातार अभियान चला रही है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है।

सशस्त्र सीमा बल के सेवानिवृत्त कर्मियों की समस्याओं की हुई सुनवाई

बीएनएम@मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी द्वारा पीपराकोठी कैंप परिसर में सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों की पेंशन संबंधी शिकायतों और सुझावों के समाधान हेतु बुधवार को एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता कार्यवाहक कमांडेंट नीरज कुमार ने की। इस दौरान उप कमांडेंट संतोष कुमार तथा मुख्य लिपिक निलेश कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों ने पेंशन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, शिकायतों, सुझावों एवं सलाहों को अधिकारियों के समक्ष रखा।अधिकारियों ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कल्याण एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं उनके आश्रित उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास मामले में नामजद अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा गया जेल

बीएनएम@हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 298/26, दिनांक 7 जून 2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 126(2), 115(2), 118(1), 352, 109(1) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले के प्राथमिक अभियुक्त परदेशी सहनी, निवासी रामनगर गायघाट, को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा, "मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। अभियुक्त की गिरफ्तारी के बाद सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है तथा अन्य बिंदुओं पर भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।" थानाध्यक्ष ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए हरसिद्धि पुलिस लगातार अभियान चला रही है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है।

डीबीटी के जरिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि लाभुकों के खातों में हस्तांतरित

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभुकों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से पेंशन राशि हस्तांतरित की। इस अवसर पर पूर्वी चम्पारण जिला मुख्यालय में जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के राज्य स्तरीय समारोह का लाइव प्रसारण देखा गया। इसमें जिले के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभुकों ने भाग लिया। मौके पर सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस), जिला कल्याण पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लाभुकों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की जानकारी दी।बताया गया कि वृद्धजन, विधवा एवं दिव्यांग लाभुकों को डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में पेंशन राशि भेजी जा रही है। इससे लाभुकों को समय पर एवं पारदर्शी तरीके से योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

आतंकी बंदर का कहर जारी, युवक पर हमला कर किया घायल, ग्रामीणों में दहशत

बीएनएम@ भितहा। भितहा प्रखंड के मुजा टोला गांव में बुधवार को एक उत्पाती बंदर ने एक युवक पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान जितेंद्र यादव (पिता- हरदेव यादव) के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार जितेंद्र यादव अपने घर से ट्रैक्टर लेकर भूसा लाने के लिए निकले थे। इसी दौरान अचानक बंदर ने उन पर हमला कर दिया। युवक के शोर मचाने पर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद उसे बंदर के चंगुल से छुड़ाया। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त बंदर पिछले एक सप्ताह से गांव और आसपास के क्षेत्रों में लगातार उत्पात मचा रहा है। बंदर के डर से लोग घरों से बाहर निकलने में सावधानी बरत रहे हैं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक भयभीत हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बंदर अब तक कई लोगों को अपना निशाना बना चुका है और आए दिन किसी न किसी पर हमला कर रहा है। स्थानीय समाजसेवी जोखन साह ने वन विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लगातार हमलों के बावजूद विभाग बंदर को पकड़ने में सफल नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो कोई बड़ी घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल बंदर को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजने की मांग की है। इस संबंध में वन विभाग के कर्मी लालसा यादव ने बताया कि बंदर को पकड़ने के लिए विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है। बंदर के गतिविधि क्षेत्र की पहचान कर उसे सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने और बंदर को उकसाने से बचने की अपील की है।

प्रलयंकारी आंधी में धराशायी हुई नल-जल योजना की टंकियां, पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण

बीएनएम@ लौरिया। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल-जल योजना को मंगलवार को आई भीषण आंधी और तूफान ने बड़ा झटका दिया है। प्रखंड क्षेत्र की मठिया पंचायत के वार्ड संख्या-4 7,और 8 में स्थापित जलापूर्ति टंकियां तेज हवा की चपेट में आकर लगभग 40 फीट ऊंचाई से गिर गईं, जिससे वे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। टंकियों के ध्वस्त होने से दोनों वार्डों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है और ग्रामीणों के सामने पेयजल का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार आंधी इतनी तेज थी कि कई घरों और पेड़ों को भी नुकसान पहुंचा है। इसी दौरान वर्षों से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने वाली नल-जल योजना की टंकियां भी धराशायी हो गईं। टंकी गिरने के बाद जलापूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नल-जल योजना के ऑपरेटर दीपक साह ने बताया कि घटना की सूचना फोटो सहित प्रखंड और जिला स्तर के अधिकारियों को भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि असमय आए इस विनाशकारी तूफान ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है तथा पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। वहीं मुखिया प्रतिनिधि अविनाश कुमार ने बताया कि मठिया पंचायत के वार्ड-4 एवं 7 की जलमीनारें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुई हैं। विभागीय अधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी गई है और शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की गई है। इस संबंध में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी ने कहा कि क्षति का आकलन कराया जा रहा है। संबंधित विभाग को रिपोर्ट भेज दी गई है। ग्रामीणों को जल्द से जल्द पेयजल सुविधा बहाल करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने आश्वासन दिया है कि मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर कराकर जलापूर्ति को शीघ्र सामान्य किया जाएगा। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से लोगों की परेशानी और बढ़ सकती है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभुकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 39 करोड़ 14 लाख 53 हजार 200 राशि हस्तांतरित

बीएनएम@बेतिया

- **पश्चिम चम्पारण के 3,33,195 पेंशनधारियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि प्राप्त**
- **सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्धः जिला पदाधिकारी**
- **कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही सरकार**

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत पेंशनधारियों को आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आज मुख्यमंत्री बिहार, सम्राट चौधरी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के पेंशनधारी लाभुकों के खातों में डीबीटी के जरिए मासिक पेंशन राशि का हस्तांतरण किया गया। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना, बिहार निःशक्तता पेंशन योजना, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के लाभुकों के खातों में प्रति माह 1100 रुपये की दर से पेंशन राशि भेजी गई। पश्चिम चम्पारण जिले में इस कार्यक्रम के तहत 3,33,195 पेंशनधारी लाभुकों के खातों में कुल 39 करोड़ 14 लाख 53 हजार 200 रुपये की राशि सीधे हस्तांतरित की गई। डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरण होने से लाभुकों को पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। पटना में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण समाहरणालय सभागार, बेतिया में किया गया, जहां बड़ी संख्या में पेंशनधारी एवं अन्य लाभुक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया और लाभुकों से संवाद किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी, तरनजोत सिंह ने सभी पेंशनधारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बिहार सरकार समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं असहाय महिलाओं के लिए सम्मानजनक जीवनयापन का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है कि सरकार द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुंचे। उन्होंने लाभुकों को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने लाभुकों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित सहयोग शिविरों में पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को प्रशासन के समक्ष रखें, ताकि उनका समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि आमजनों की सुविधा के लिए राज्य सरकार द्वारा सहयोग पोर्टल भी प्रारंभ किया गया है तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। सहयोग पोर्टल के माध्यम से पेंशन, आवास, शौचालय, म्यूटेशन, परिमार्जन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित शिकायतों एवं समस्याओं को ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ सहज एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध हो तथा उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत जिले के 06 लाभुक दंपतियों को भी लाभान्वित किया गया। लाभुक दंपतियों को योजना के तहत एक लाख रुपये की सावधि जमा (एफडी) का प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने सभी लाभुक दंपतियों को बधाई देते हुए कहा कि अंतरजातीय विवाह सामाजिक समरसता एवं समानता को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने नवदंपतियों के सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लाभुकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, प्रभारी पदाधिकारी जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग विकास कुमार, डीपीओ आईसीडीएस कविता रानी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मी एवं बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित थे।

प्रलयंकारी आंधी ने मठिया पंचायत में मचाई तबाही, सैकड़ों परिवार प्रभावित, दो मासूम घायल

बीएनएम@लौरिया

- **वार्ड 3, 4, 5, 7, 8, 10 और 12 में उड़े घरों के छप्पर व एस्बेस्टस, प्रशासन ने शुरू कराया क्षति का जायजा**

मंगलवार को आए प्रलयंकारी आंधी-तूफान ने लौरिया प्रखंड की मठिया पंचायत में भारी तबाही मचा दी। तेज हवाओं और तूफान के कारण पंचायत के वार्ड संख्या 3, 4, 5, 7, 8, 10 एवं 12 में सैकड़ों परिवार प्रभावित हुए हैं। कई घरों के छप्पर, एस्बेस्टस और निर्माण सामग्री उड़ जाने से लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। तूफान से प्रभावित लोगों में सुरेश पासी, रविरंजन पांडेय, परसन यादव, नसीर देवान, मुस्तफा देवान समेत दर्जनों परिवार शामिल हैं। वार्ड संख्या 5 में प्रदीप राम, प्रभु राम, करीमन राम, भुवाली राम, परशुराम पासवान, रामबिलास पासवान, सुनील पासवान, मनोज पासवान एवं विजय राम के घरों को नुकसान पहुंचा। वहीं वार्ड संख्या 8 में रीता देवी, रामायण राम, सिंहासन राम, शिवनाथ राम और रंजन कुमार सहित कई परिवार प्रभावित हुए। वार्ड संख्या 10 में ढोडा पासवान, धर्मेंद्र पासवान, सूरज पासवान, हरी पासवान, भूषण पासवान, रविन्द्र पासवान तथा विनोद पासवान समेत अनेक ग्रामीणों के घर क्षतिग्रस्त हो गए। तूफान के दौरान वार्ड संख्या 8 में एक दर्दनाक हादसा भी हुआ। नागेन्द्र राम के चार वर्षीय पुत्र छोटे बाबू एवं सात वर्षीय पुत्री शिवानी कुमारी अपने घर में मौजूद थे। इसी दौरान तेज आंधी के झोंके से घर का एस्बेस्टस उड़ गया और पड़ोसी के घर का उखड़ा हुआ एस्बेस्टस दोनों बच्चों के सिर पर आ गिरा। हादसे में दोनों बच्चे घायल हो गए, जिनका स्थानीय स्तर पर उपचार कराया गया। घटना की जानकारी मिलते ही मुखिया प्रतिनिधि अविनाश शेखर ने अंचलाधिकारी नितेश कुमार सेठ से संपर्क कर पंचायत में हुई व्यापक क्षति से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंचलाधिकारी ने तत्काल राहत एवं क्षति आकलन की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। उनके निर्देश पर राजस्व कर्मचारी नवल किशोर दास ने प्रभावित वार्डों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया तथा क्षति संबंधी रिपोर्ट तैयार करने की कार्रवाई शुरू की। मौके पर सरपंच प्रतिनिधि चन्द्रशेखर प्रसाद, बीडीसी प्रतिनिधि मनोज राम, वार्ड प्रतिनिधि विनोद ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने प्रभावित परिवारों को शीघ्र सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों बाद आई इस भीषण आंधी ने पंचायत में भारी तबाही मचाई है। कई परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं और प्रशासन से तत्काल राहत सामग्री एवं मुआवजे की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

4 वर्षीय बालक से दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

बीएनएम@बगहा

गोवर्धना थाना क्षेत्र में चार वर्षीय बालक के साथ दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है।मामले की जानकारी बगहा पुलिस अधीक्षक रामानंद कौशल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।पुलिस के अनुसार 6 जून को गोवर्धना थाना क्षेत्र में चार वर्षीय बालक के साथ 19 वर्षीय युवक द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया था।शिकायत मिलने के बाद गोवर्धना थाना में कांड संख्या 39/26 दर्ज कर पॉक्सो अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू की गई।प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रूपेश कुमार,निवासी बगही सखुआनी,थाना गोवर्धना को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।पुलिस ने बताया कि पीड़ित बालक का इलाज बेतिया में चल रहा है।मामले की जांच जारी है।बगहा एसपी रामानंद कौशल ने बताया कि बच्चों के विरुद्ध अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और दोषियों को कानून के अनुसार दंड दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

Affiliation No. 330180
www.sjsmotihari.org
SHANTINIKETAN JUBILEE SCHOOL
तमसो मा ज्योतिर्गमय
MOTHARI
MOTIHARI, E. CHAMPARAN
SHANTINIKETAN JUBILEE SCHOOL
Affiliated to CBSE, New Delhi, Up to 10+2
Organised by : Jubelian Trust
ADMISSION IS GOING ON
FOR CLASS 11TH
(ARTS/SCIENCE/COMMERCE)
ALL STREAM.
HURRY UP! SEAT LIMITED!!
SCHOOL HIGHLIGHTS
A/C Class Rooms with CCTV Surveillance.
A Centre of Academic Excellence.
Learning Management System.
Highly Qualified and Experienced Staffs.
Joyful and Digitalized Learning Environment.
Thematic and Stem Based Integrated Curriculum.
Pollution Free and Natural Surrounding.
Well Equipped Chemistry, Physics, Biology Laboratories.
SHAPING FUTURES BUILDING NATION
DISCIPLINE | VALUES | EXCELLENCE
Mob.:
9931525844 (O)
7870780805 (H)
Shantipuri, Rahman Colony, Motihari, E. Champaran - 845401

धनी तबकों पर ले जाए

प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की करनी से पैदा हुई समस्या का मुकाबला करने की सारी जिम्मेदारी नागरिकों पर डालने का प्रयास किया है। मगर उससे हालात नहीं सुधरेंगे। बेहतर होगा वे अपना धनी तबकों पर ले जाएं। आर्थिक संकट के बारे में प्रधानमंत्री के भाषणों से देश में फैले भय के बीच अब केंद्र ने सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं के आयात पर शुल्क बढ़ा कर 15 (10 प्रतिशत कस्टम+ 5 फीसदी कृषि एवं विकास उपकर) कर दिया है। गौरतलब है कि सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार में सेंध लगने का बड़ा कारण बना रहा है। मगर कारणों की पड़ताल करें, तो आयात बढ़ने की सीधी जिम्मेदारी नरेंद्र मोदी सरकार पर जाएगी। केंद्र ने मई 2022 में यूएई के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर अमल शुरू किया, जिसके तहत वहां से टैरिफ रेट कोटा सिस्टम के तहत स्वर्ण आयात पर शुल्क सामान्य दर से एक प्रतिशत कम (यानी पांच प्रतिशत) कर दिया गया। इसके पहले (2022 में) भारत के कुल स्वर्ण आयात में यूएई का हिस्सा 7.9 प्रतिशत (2.9 बिलियन डॉलर) था, जो पिछले साल 28 प्रतिशत (16.5 बिलियन डॉलर) हो गया। इस बीच पिछले साल सोने के भाव में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई। इससे सोना आम मध्य वर्ग की पहुंच से बाहर हो गया। जबकि अति धनी लोग खरीदारी करते रहे, जिससे डॉलर बाहर गया। प्रधानमंत्री ने मध्य वर्ग से विदेश जाने से बचने का आह्वान भी किया है। लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक विदेश जाने वाले भारतीयों की संख्या में पिछले दो साल में गिरावट आई है। फिर भी डॉलर बाहर जाने में बढ़ोतरी हुई, तो उसका कारण अति धनी व्यक्तियों का विदेश में चल और अचल संपत्ति में निवेश है। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक 26.4 बिलियन डॉलर का निवेश इन लोगों ने विदेश में किया। ऐसा इसलिए संभव हुआ, क्योंकि मोदी सरकार ने लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम, टैक्स राहत, ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस आदि के नाम पर विदेशी कर्मियों के लिए खुद इसका मार्ग प्रशस्त किया। ये मुद्दे इसलिए उठे हैं, क्योंकि नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार की करनी से पैदा हुई समस्या का मुकाबला करने की सारी जिम्मेदारी नागरिकों पर डालने का प्रयास किया है। मगर उससे हालात नहीं सुधरेंगे। बेहतर होगा सरकार संकट-कालीन प्रशासनिक उपाय करे और अपना ध्यान मध्य वर्ग के बजाय धनी तबकों पर ले जाए।

फर्जी डिग्रियां और टूटता भरोसा

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। याhह युवा शक्ति ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी मानी जाती है। देश के लाखों विद्यार्थी हर वर्ष कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं, विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों और व्यावसायिक प्रशिक्षणों से गुजरते हैं। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। परिवार अपनी बचत, समय और उम्मीदें उनकी शिक्षा पर खर्च करते हैं। लेकिन जब फर्जी डिग्रियों, पेपर लीक, नकल माफिया और शैक्षणिक भ्रष्टाचार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कुछ संस्थानों या व्यक्तियों की साख नहीं गिरती, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था पर से भरोसा डगमगाने लगता है। यही कारण है कि शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता का प्रश्न आज केवल अकादमिक बहस का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है।

हाल केवर्षों में भारत में अनेक ऐसे मामलेसामने आए हैं जिनमें विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और प्रशिक्षण संस्थानों पर अनियमितताओं के आरोप लगे। कहीं फर्जी अंकपत्र जारी किए गए, कहीं बिना पर्याप्त पढ़ाई और मूल्यांकन के डिग्रियां बांटने की शिकायतें मिलीं, तो कहीं भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में धांधली के आरोप लगे। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था वास्तव में योग्यता आधारित है या फिर उसमें ऐसे छेद पैदा हो चुके हैं जिनका लाभ उठाकर कुछ लोग अनुचित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल प्रमाणपत्र देना नहीं होता। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान, कौशल, विवेक और जिम्मेदारी प्रदान करती है। एक डॉक्टर की डिग्री केवल एक कागज नहीं होती, बल्कि यह प्रमाण होती है कि उसने मानव जीवन की रक्षा करने योग्य ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त किया है। एक इंजीनियर की डिग्री यह भरोसा देती है कि वह सुरक्षित भवन, पुल और तकनीकी संरचनाएं तैयार करने की क्षमता रखता है। एक शिक्षक की डिग्री इस बात की गारंटी मानी जाती है कि वह नई पीढ़ी को सही दिशा देने में सक्षम है। यदि इन डिग्रियों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगें तो समाज का पूरा विश्वास तंत्र कमजोर पड़ने लगता है।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि फर्जी डिग्रियों का नुकसान केवल उन लोगों तक सीमित नहीं रहता जो इन्हें हासिल करते हैं। इसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। यदि कोई अयोग्य व्यक्ति डॉक्टर बन जाए तो मरीजों का जीवन खतरे में पड़ सकता है। यदि किसी तकनीकी पद पर अयोग्य इंजीनियर पहुंच जाए तो सार्वजनिक परियोजनाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। यदि शिक्षा संस्थानों में अयोग्य शिक्षक नियुक्त हो जाएं तो आने वाली पीढ़ियों की बौद्धिक क्षमता पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल धोखाधड़ी का मामला नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक विश्वास का भी प्रश्न है। भारत में उच्च शिक्षा का तेजी से विस्तार हुआ है। यह आवश्यक भी था क्योंकि करोड़ों युवाओं को शिक्षा उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन कई बार विस्तार की गति गुणवत्ता नियंत्रण से अधिक तेज रही। परिणामस्वरूप कुछ संस्थान केवल डिग्री वितरण केंद्र बनकर रह गए। शिक्षण, शोध, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और प्रशिक्षित शिक्षकों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। जब शिक्षा को सेवा के बजाय व्यवसाय के रूप में देखा जाने लगता है, तब ऐसे संकट पैदा होना स्वाभाविक है।

पेपर लीक की घटनाओं ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। देश के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर भर्ती परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें आती रही हैं। लाखों छात्र वर्षों तक तैयारी करते हैं, लेकिन कुछ लोग पैसे और प्रभाव के बल पर प्रश्नपत्र हासिल कर लेते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान उन प्रतिभाशाली युवाओं को होता है जो ईमानदारी से मेहनत कर रहे होते हैं। उनकी मेहनत का मूल्य कम हो जाता है और उनके मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है।

युवा पीढ़ी के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपनी योग्यता साबित करे, लेकिन यदि व्यवस्था निष्पक्ष न हो तो प्रतिभा हतोत्साहित होती है। जब किसी मेहनती छात्र को यह महसूस होने लगे कि सफलता योग्यता से नहीं बल्कि संपर्क, भ्रष्टाचार या जालसाजी से मिल सकती है, तब उसकी प्रेरणा कमजोर पड़ती है। यही स्थिति धीरे-धीरे सामाजिक असंतोष को जन्म देती है। कई प्रतिभाशाली युवा देश छोड़ने का निर्णय लेते हैं या फिर व्यवस्था से निराश होकर अपने सपनों से समझौता कर लेते हैं। भारत की वैश्विक पहचान लंबे समय से उसके ज्ञान और प्रतिभा पर आधारित रही है। भारतीय मूल के हजारों वैज्ञानिक, इंजीनियर, चिकित्सक और तकनीकी विशेषज्ञ विश्व की अग्रणी संस्थाओं में कार्यरत हैं। वे केवल अपने व्यक्तिगत करियर का निर्माण नहीं कर रहे, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा भी बढ़ा रहे हैं। विदेशों में कार्यरत भारतीय हर वर्ष बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भारत भेजते हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। यदि भारतीय डिग्रियों और प्रमाणपत्रों की विश्वसनीयता पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संदेह बढ़ता है, तो इसका प्रभाव रोजगार, वीजा और वैश्विक अवसरों पर पड़ सकता है।

यह ध्यान रखना आवश्यक है कि कुछ संस्थानों या व्यक्तियों की गलतियों के आधार पर पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को खारिज नहीं किया जा सकता। भारत में अनेक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और पेशेवर शिक्षण केंद्र हैं जो अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हैं। लाखों छात्र पूरी ईमानदारी और कठिन परिश्रम से अपनी योग्यता अर्जित करते हैं। समस्या यह है कि कुछ नकारात्मक उदाहरण पूरी व्यवस्था की छवि को नुकसान पहुंचा देते हैं। इसलिए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करना उतना ही आवश्यक है जितना कि ईमानदार और गुणवत्तापूर्ण संस्थानों को प्रोत्साहित करना। शिक्षा में सुधार के लिए सबसे पहले पारदर्शिता को मजबूत करना होगा। सभी डिग्रियों और प्रमाणपत्रों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाना चाहिए, जिसे किसी भी नियोक्ता या संस्था द्वारा सत्यापित किया जा सके। डिजिटल सत्यापन प्रणाली फर्जी दस्तावेजों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे छात्रों, संस्थानों और नियोक्ताओं के बीच विश्वास भी बढ़ेगा। दूसरा महत्वपूर्ण कदम विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की नियमित शैक्षणिक समीक्षा है। केवल भवन और बुनियादी सुविधाओं के आधार पर मान्यता देने के बजाय वास्तविक शिक्षण गुणवत्ता, शोध कार्य, परीक्षा प्रणाली और विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन होना चाहिए। जो संस्थान मानकों का पालन नहीं करते, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। तीसरा, परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाना होगा। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, साइबर सुरक्षा और दोषियों के खिलाफ त्वरित दंड व्यवस्था आवश्यक है। पेपर लीक जैसी घटनाओं को सामान्य अपराध नहीं बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ के रूप में देखा जाना चाहिए। चौथा, रोजगार और भर्ती प्रक्रियाओं में कौशल आधारित मूल्यांकन को बढ़ावा देना होगा। केवल डिग्री पर निर्भरता कम करके वास्तविक क्षमता और व्यावहारिक ज्ञान को महत्व दिया जाए। इससे प्रमाणपत्रों की अंधी दौड़ कम होगी और सीखने की संस्कृति मजबूत होगी। इसके साथ ही समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है। यदि डिग्री केवल रोजगार का टिकट बनकर रह जाए और ज्ञान का महत्व कम हो जाए, तो शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य नष्ट हो जाता है। इसलिए सीखने, शोध करने और कौशल विकसित करने की संस्कृति को बढ़ावा देना आवश्यक है।

राजनीतिक स्तर पर भी इस मुद्दे को दलगत दृष्टिकोण से ऊपर उठकर देखने की आवश्यकता है। फर्जी डिग्री, नकल, पेपर लीक और शैक्षणिक भ्रष्टाचार किसी एक राज्य, एक सरकार या एक विचारधारा तक सीमित नहीं हैं। यह समस्या वर्षों से विभिन्न रूपों में मौजूद रही है। इसलिए इसका समाधान भी सामूहिक राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक जागरूकता से ही संभव है। आज जब युवा शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करते हैं, तो उनकी आवाज को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। यह मांग किसी राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा का प्रश्न है। यदि शिक्षा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर होगा, तो उसका प्रभाव केवल विश्वविद्यालयों तक सीमित नहीं रहेगा। यह अर्थव्यवस्था, रोजगार, सामाजिक विश्वास और राष्ट्रीय विकास को भी प्रभावित करेगा। भारत को यदि विश्व की अग्रणी ज्ञान अर्थव्यवस्था बनना है तो उसे अपनी शिक्षा व्यवस्था को निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना होगा। डिग्री का अर्थ केवल कागज का एक टुकड़ा नहीं होना चाहिए, बल्कि योग्यता, परिश्रम और नैतिकता का प्रमाण होना चाहिए। जब तक शिक्षा व्यवस्था में ईमानदारी और गुणवत्ता सर्वोच्च मूल्य नहीं बनेंगे, तब तक प्रतिभा और अवसर के बीच की खाई पूरी तरह समाप्त नहीं होगी।

देश का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में है, और युवाओं का भविष्य शिक्षा पर निर्भर करता है। इसलिए फर्जी डिग्रियों और शैक्षणिक भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष केवल व्यवस्था सुधार का अभियान नहीं, बल्कि भारत के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

जंगलों से जननी सुरक्षा तक: सुरक्षित मातृत्व की राह पर बदलता छत्तीसगढ़

जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्षः बस्तर के दूरस्थ गांवों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की नई कहानी

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी सड़कों, भवनों और उद्योगों से नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से तय होता है जो अपने सबसे संवेदनशील नागरिकों की रक्षा करती है। गर्भवती महिलाएं और नवजात शिशु किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होते हैं। जब एक मां सुरक्षित रहती है तो केवल एक जीवन नहीं बचता, बल्कि एक पूरे परिवार, समाज और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

भारत ने पिछले एक दशक में मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिस परिवर्तनकारी यात्रा को तय किया है, वह विश्व स्वास्थ्य क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में उभरी है। इस परिवर्तन के केंद्र में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) है, जिसने गर्भवती महिलाओं तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में एक व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया है। इस अभियान की सफलता की सबसे प्रभावशाली कहानियों में से एक छत्तीसगढ़ की है, जहां घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और दूरस्थ आदिवासी अंचलों के बीच मातृ स्वास्थ्य सेवाओं ने नई पहचान बनाई है। दस वर्ष पहले जिन क्षेत्रों में गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच की कल्पना भी कठिन थी, वहां आज हर महीने की 9 तारीख मातृ स्वास्थ्य जागरूकता और चिकित्सकीय सेवाओं का प्रतीक बन चुकी है। यह बदलाव केवल योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता और जन-भागीदारी के सामूहिक प्रयासों की कहानी है।

नौ तारीख बनी सुरक्षित मातृत्व का प्रतीकः 9 जून 2016 को शुरू हुए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की अवधारणा सरल लेकिन प्रभावशाली थी। गर्भावस्था के नौ महीनों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक माह की नौ तारीख को गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष प्रसव पूर्व जांच दिवस के रूप में निर्धारित किया गया। इस दिन सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क जांच, परामर्श और आवश्यक परीक्षणों की व्यवस्था की जाती है।

इस पहल ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को नियमितता और पहचान दी। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और उनके परिवारों के लिए यह समझना आसान हुआ कि प्रत्येक माह की नौ तारीख स्वास्थ्य जांच के लिए निर्धारित है। परिणामस्वरूप प्रसव पूर्व जांच की पहुंच और स्वीकार्यता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आज देशभर में करोड़ों महिलाओं ने इस अभियान का लाभ उठाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्भावस्था के दौरान समय पर जांच और जोखिमों की पहचान ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छत्तीसगढ़ के लिए चुनौती थी भूगोल, समाधान बना समुदायः छत्तीसगढ़ की भौगोलिक परिस्थितियां देश के अनेक राज्यों से भिन्न हैं। बस्तर, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और कांकेर जैसे जिलों के बड़े हिस्से वनाच्छादित हैं। कई गांव ऐसे हैं जहां बरसात के मौसम में पहुंचना बेहद कठिन हो जाता है। वर्षों तक इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती रहा। आदिवासी अंचलों में पारंपरिक मान्यताओं और घरेलू प्रसव की प्रथा भी लंबे समय तक मातृ स्वास्थ्य सुधार की राह में बाधा बनी रही। कई महिलाएं गर्भावस्था के दौरान किसी प्रकार की चिकित्सकीय जांच नहीं कराती थीं। जटिलता होने पर अस्पताल पहुंचने में देर हो जाती थी और कई बार स्थिति गंभीर हो जाती थी। यहीं से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ने बदलाव की शुरुआत की। राज्य सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने संयुक्त रूप से रणनीति तैयार की कि जोखिम सामने आने के बाद नहीं, बल्कि उससे पहले उसकी पहचान की जाए। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स, हाट-बाजार क्लीनिक, विशेष स्वास्थ्य शिविर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से विशेषज्ञ सेवाओं को गांवों तक पहुंचाया गया। आज स्थिति यह है कि जिन क्षेत्रों में कभी स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सीमित थी, वहां गर्भवती महिलाओं का नियमित पंजीकरण, जांच और फॉलोअप संभव हो रहा है। समय रहते जोखिम की पहचान बनी सबसे बड़ी ताकतः मातृ स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश गंभीर प्रसूति जटिलताएं अचानक नहीं होतीं। उनके संकेत गर्भावस्था के दौरान दिखाई देने लगते हैं। यदि समय पर पहचान हो जाए तो अधिकांश जोखिमों को नियंत्रित किया जा सकता है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान है। गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप, गर्भकालीन मधुमेह, पूर्व प्रसव संबंधी जटिलताएं, कम उम्र या अधिक उम्र में गर्भधारण तथा जुड़वा गर्भ जैसी स्थितियों को विशेष रूप से चिन्हित किया जाता है। छत्तीसगढ़ में अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान की गई है। इन मामलों को चिन्हित करने के बाद उन्हें उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों से जोड़ा जाता है ताकि प्रसव के समय किसी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न न हो। यही कारण है कि राज्य के दूरस्थ जिलों में भी जटिल प्रसवों के सुरक्षित प्रबंधन की संभावना बढ़ी है। चिकित्सकों के अनुसार, समय पर रेफरल और नियमित निगरानी ने अनेक माताओं और नवजातों का जीवन बचाया है। डिजिटल ट्रैकिंग ने स्वास्थ्य सेवाओं को दिया नया आयामः पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल तकनीक ने मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों को नई गति प्रदान की है। पीएमएसएमए पोर्टल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की नाम आधारित ट्रैकिंग संभव हुई है। किसी भी स्वास्थ्य केंद्र में जांच के बाद जानकारी तत्काल ऑनलाइन दर्ज की जाती है। यदि किसी महिला को उच्च जोखिम श्रेणी में रखा जाता है तो उसकी जानकारी संबंधित चिकित्सकीय इकाइयों तक पहुंच जाती है। इससे स्वास्थ्य तंत्र को पहले से तैयारी करने का अवसर मिलता है। प्रसव की संभावित तिथि, चिकित्सकीय स्थिति और आवश्यक सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध रहने से आपातकालीन परिस्थितियों का बेहतर प्रबंधन संभव हो पाता है। छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में, जहां दूरी और परिवहन लंबे समय तक बड़ी चुनौती रहे हैं, डिजिटल निगरानी प्रणाली ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाया है। यदि इस परिवर्तन की असली कहानी लिखी जाए तो उसमें सबसे प्रमुख स्थान अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का होगा। (लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री हैं)

मेष राशि : 9 जून, मंगलवार का दिन कुछ ऐसी बातों को लेकर आ सकता है जिन पर आप पिछले कुछ समय से मन ही मन विचार कर रहे थे। सुबह की शुरुआत सामान्य रहेगी, लेकिन दिन चढ़ने के साथ किसी पुराने विषय या अधूरे काम पर आपका ध्यान फिर जा सकता है। अच्छी बात यह है कि आज आप चीजों को लेकर पहले से ज्यादा स्पष्ट महसूस करेंगे। कामकाज के मामले में दिन व्यस्त रह सकता है।

वृषभ राशिः 9 जून, मंगलवार को दिन की शुरुआत थोड़ी सुस्त रह सकती है। सुबह उठते ही ऐसा लग सकता है कि कई जिम्मेदारियां आपका इंतजार कर रही हैं, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। एक-एक करके काम निपटाने की कोशिश करेंगे तो दिन उतना मुश्किल नहीं लगेगा जितना शुरुआत में लग रहा था।

मिथुन राशिः 9 जून, मंगलवार का दिन आपके लिए कुछ नई जानकारियां और दिलचस्प बातचीत लेकर आ सकता है। सुबह से ही आपका मन काफी सक्रिय रहेगा। एक काम करते-करते अचानक किसी दूसरी योजना का विचार आ सकता है। ऐसे में जरूरी कामों को प्राथमिकता देना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कामकाज के क्षेत्र में किसी का फोन, संदेश या मुलाकात दिन की दिशा बदल सकती है।

कर्क राशिः 9 जून का दिन आपको थोड़ा भावुक बना सकता है। कोई पुरानी बात, पुराना वादा या किसी अपने से जुड़ी याद अचानक मन में आ सकती है। जरूरी नहीं कि इसकी कोई खास वजह हो, लेकिन आज मन बार-बार उन्हीं बातों की तरफ लौट सकता है जिन्हें आप पीछे छोड़ चुके थे। दोपहर तक कोई छोटी-सी चिंता आपको परेशान कर सकती है।

सिंह राशिः सुबह से ही ऐसा लग सकता है कि लोग आपसे कुछ ज्यादा उम्मीद कर रहे हैं। किसी का फोन, कोई जिम्मेदारी या अचानक आया काम आपकी योजनाओं में बदलाव कर सकता है। हालांकि यह दिन आपको शिकायत का नहीं, बल्कि चीजों को संभालने का मौका देगा।

कन्या राशिः 9 जून को आप किसी ऐसी बात पर ध्यान दे सकते हैं जिस पर बाकी लोगों की नजर शायद न जाए। आपकी यही आदत कई बार आपको दूसरों से अलग बनाती है। सुबह किसी छोटी-सी गलती या अधूरी जानकारी को देखकर उसे ठीक करने का मन करेगा। हालांकि हर चीज को अपने ऊपर लेने की जरूरत नहीं है।

तुला राशिः 9 जून का दिन लोगों के बीच रहकर भी अपने बारे में सोचने का दिन हो सकता है। सुबह किसी की बात सुनकर आप मुस्कुरा तो देंगे, लेकिन बाद में उसी बात के बारे में सोचते रह सकते हैं। आज आपका मन दूसरों की भावनाओं को जल्दी समझ सकता है। किसी पुराने दोस्त, रिश्तेदार या परिचित की याद अचानक आ सकती है। कुछ लोगों के लिए यह दिन पुराने रिश्तों की बर्फ पिघलाने वाला भी साबित हो सकता है।

मकर राशिः आपका ध्यान उन बातों पर जा सकता है जिन्हें बाकी लोग टाल रहे हैं। सुबह से ही मन किसी जरूरी काम को पूरा करने के मूड में रहेगा। हो सकता है आप खुद से ही कहें कि अब इसे और नहीं टालना चाहिए। आज किसी व्यक्ति की बात आपको प्रेरित भी कर सकती है। जरूरी नहीं कि वह कोई बड़ी सलाह हो, लेकिन उसके शब्द आपके भीतर कुछ सोचने पर मजबूर कर सकते हैं। दिन के दौरान किसी अधूरे काम में प्रगति देखने को मिल सकती है, जिससे संतोष मिलेगा।

वृश्चिक राशिः सुबह किसी छोटी-सी बात पर आपका ध्यान अटक सकता है। हो सकता है किसी की कही हुई बात, कोई पुराना संदेश या अचानक सामने आई याद मन में हलचल पैदा कर दे। हालांकि यह बेचैनी ज्यादा देर तक नहीं रहेगी। आज आप लोगों को ध्यान से देखेंगे, लेकिन अपनी बातें कम साझा करेंगे।

धनु राशिः 9 जून का दिन आपको किसी पुरानी योजना की याद दिला सकता है। हो सकता है कुछ समय पहले आपने किसी काम को लेकर बड़ा उत्साह दिखाया हो, लेकिन फिर रोजमर्रा की व्यस्तताओं में वह बात पीछे छूट गई। आज वही विषय दोबारा सामने आ सकता है और इस बार आप उसे थोड़ा गंभीरता से लेने का मन बना सकते हैं।

कुंभ राशिः9 जून को आपका मन भीड़ में रहकर भी अपने विचारों में खोया रह सकता है। आज किसी बात को लेकर आपका नजरिया बाकी लोगों से अलग हो सकता है। जहां दूसरे लोग जल्दबाजी में राय बना लेंगे, वहीं आप पूरी बात समझने की कोशिश करेंगे। सुबह कोई छोटी-सी घटना या बातचीत आपको सोचने पर मजबूर कर सकती है।

मीन राशिः 9 जून का दिन आपके लिए थोड़ा अलग महसूस हो सकता है। सुबह किसी पुराने गाने, तस्वीर या याद की वजह से मन कुछ देर अतीत में भटक सकता है। ऐसा नहीं है कि आप उदास रहेंगे, लेकिन बीती हुई कुछ बातें अचानक याद आ सकती हैं। कई बार मन बिना किसी खास वजह के भी पुरानी गलियों में घूम आता है।

देश की सुरक्षा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 जून को संवैधानिक चुनाव पद्धति से चयनित सबसे अधिक कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री हो जायेंगे । मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का 4398 दिनों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर 4399 दिन अपनी देश सेवा के पूर्ण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अपने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री दोनों के कार्यकाल को जोड़कर 25 वर्षों के साथ ही 9007 दिनों की अनवरत राष्ट्र सेवा को भी पूर्ण करेंगे। यह उत्साही ,अविश्रांत, अनथक कर्मयोगी की यात्रा है । देश के विकास के लिए अनेक कीर्तिमान गढ़ने वाले कठोर निर्णयों के लिए तो 12 वर्षों का उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहेगा ही साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए भी उनके योगदान और भुलाया नहीं जा सकता । राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उन्होंने आतंकवाद से प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया । 13 जून 2014 को भारतीय सेना के साउथ ब्लॉक में स्थित रक्षा वॉर रूम में सेना उच्च अधिकारियों के साथ संवाद एवं रक्षा तैयारियों की समीक्षा कर ही अपनी सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता को स्पष्ट कर दिया था। जब समस्त देश दीपावली पर दीपों से अपने-अपने घरों को प्रकाशमान करता है तब प्रधानमंत्री सीमा पर सुरक्षा में तैनात जवानों के बीच में उपस्थित रहकर देश उनके साथ है ऐसा संदेश देते हैं । सियाचिन से प्रारंभ कर 12 वर्षों में 12 स्थानों पर जाकर उन्होंने अपनी सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है। आचार्य चाणक्य ने राष्ट्र की सुरक्षा के संदर्भ में कहा था कि मजबूत सेना के बिना राष्ट्र सुरक्षित नहीं रह सकता। 1962 में चाइना युद्ध में हमारी पराजय तथा 1964 में चाइना के परमाणु परीक्षण के बाद निर्मित निराशाजनक स्थिति से उबारने के लिए भारत को भी परमाणु शक्ति युक्त होना चाहिए , यह मांग जनसंघ ने 4 दिसम्बर 1964 को पटना अविवेशन में की थी। तब कांग्रेस सहित समस्त दलों ने इस माँग का उपहास किया था । जनसंघ के इसी संकल्प की पूर्ति को 11 मई 1998 को प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण विस्फोट कर पूर्ण किया था । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद 2014 रक्षा विभाग का बजट 2.27 लाख की तुलना में 3 गुना 7.85 लाख करोड़ हो गया। आज हम 100 से अधिक देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं । अब हमारा निर्यात में 2014 की तुलना में 686 करोड़ से बढ़कर 2025 -26 में 38424 करोड़ अर्थात 56 गुना वृद्धि हुई है । अब हम हाइपर सोनिक मिसाइल , ब्रह्मोस ,बैलिस्टिक मिसाइल , एयर डिफेन्स एवं रडार सिस्टम को ध्वस्त करने वाले रुद्रम -2, प्रलय, आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल बना रहे हैं । भारत का स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, राफेल, एस - 400 विमानों से हम युक्त हैं। आर्मेनिया ने येरेवान रिपब्लिक स्क्वायर में भारत में बनी आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल एवं पिनाका रॉकेट लौनचर्स का प्रदर्शन भारतीयों को मस्तक ऊँचा करता हैं। 15 अगस्त 2025 को लाल किला से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वदेशी क्षमताओं, मेड इन इंडिया हथियारों ने सिद्ध किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा विदेशी निर्भरता पर नहीं टिक सकती। इसी का परिणाम ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने 22 मिनट में ही सभी निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर किए थे। 72000 करोड़ की लागत से तैयार होने वाली ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक समृद्धि, सामुद्रिक रणनीति एवं सुरक्षा का आधार बनेगी। सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है । 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद चरम पर था। केवल कश्मीर ही नहीं देश का कोई शहर सुरक्षित नहीं था। मुंबई, जयपुर, दिल्ली, काशी सहित अनेक आतंकी घटनाएं आज भी हमको विचलित करती हैं। सुरक्षाबलों को आधुनिक शस्त्र, बुलेट प्रूफ जैकेट, टेरर फंडिंग पर रोक हेतु नो मनी फॉर टेरर जैसे कड़े कदम , एफएटीएफ के माध्यम से वित्तीय दबाव के साथ सर्जिकल एवं बालाकोट एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने का कार्य किया। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में स्थापित आतंकी केंद्रों का सफाया एवं पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र को ध्वस्त किया। 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय कर देश की एकात्मता को सुदृढ़ किया है । इस ऐतिहासिक दिन को देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व स्मरण करेगा जब हमने कहा कि 31 मार्च 2026 वामपंथ प्रेरित नक्सलवाद से हम मुक्त हो रहे हैं। 2024 में 126 जिले नक्सलवादी आतंक से युक्त थे । 2024 में ही केवल 290 नक्सली मारे गए। 1090 गिरफ्तार हुए। 881 ने आत्मसर्पण कर भारत की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प किया 7 अब बस्तर सहित सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की बयार बह रही है। घुसपैठिये देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सुरक्षा के लिए खतरा एवं जनसांख्यिकी असंतुलन निर्माण कर रहे हैं । भारत सरकार ने इस संकट से उबरने के लिए डिटेक्ट , डिलीट , डिपोर्ट नीति के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की है। सीमा की निगरानी को सख्त किया है। बंगाल भाजपा विजय के पश्चात् बांग्लादेशी घुसपैठियों की बांग्लादेश की ओर वापसी की लाइन हम देख रहे हैं। 15,106 किलोमीटर सीमा सोती रेखा से जागती दीवार लक्ष्य में लेज़र वॉल, वाइब्रेशन सेंसर, नाइट विज़न कैमरा का उपयोग हो रहा है। सीमा सुरक्षा के लिए 49 त्न बजट वृद्धि कर 5597 करोड़ निर्धारित किया गया है। अदृश्य युद्ध के माध्यम से भारत की साइबर सुरक्षा को चुनौती देने का कार्य भारत विरोधी शक्तियां कर रही हैं। राज्यसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार भारत ने लगभग 54 लाख साइबर शिकायतों एवं 31594 करोड़ रुपयों के ठगी के प्रयासों का सामना करने में भारत सफल रहा। भारत सरकार ने 2024 में साइबर कमांडो व्यवस्था निर्माण का साइबर सुरक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की है। डीसीवाईए (डिफेंस साइबर एजेंसी) एवं आई4सी के माध्यम से समन्वय कर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रयास हो रहा है । देश को नशामुक्त बनाने हेतु व आतंकवाद जैसी समस्याओं के आय के प्रमुख स्त्रोत ड्रग्स के गैर कानूनी व्यापार पर करारा प्रहार करते हुए लगातार उनको जब्त किया जा रहा है। 2024 में ही 25,330 करोड़ रुपये के ड्रग्स की जब्ती इस बात का पुख्ता प्रमाण है। सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान सीमावर्ती गाँव में बसे ग्रामीणों का रहता है। उनके मन में अपने प्रति उपेक्षा भाव न रहे इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2023 में कहा, ये अंतिम गाँव नहीं, भारत माँ के प्रथम गाँव है। वीवीपी (वाइब्रेंट विलेजेज़ प्रोग्राम) फेज 1 -2 के अंतर्गत 4121 गाँवों के विकास के लिए लगभग 11639 करोड़ का बजट निर्धारित किया है जिसके द्वारा मौसम अनुकूल सड़क (ऑल-वेदर रोड), सौर उर्जा, मोबाइल कनेक्टिविटी, शिक्षा स्वास्थ्य एवं पर्यटन का ढांचा खड़ा किया जा रहा है। 2023 में लालकिला के मैदान में 600 सीमावर्ती गाँवों के सरपंचों की सहभागिता ने सीमा एवं दिल्ली का संगम कर दिया है।अपने पंच प्रण के संकल्प में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था । इसका अनुपालन करते हुए ऑपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति एवं भारतीय स्वाभिमान में वृद्धि के अनेक प्रयास हुए हैं । आईपीसी, सीआरपीसी की धारायें अब भारतीय न्याय संहिता हो गई है। राजपथ अब कर्तव्यपथ, 7 रेस कोर्स रोड-7 लोक कल्याण मार्ग , प्रधानमंत्री कार्यालय - सेवा तीर्थ एवं राजभवन - लोकभवन हो गए हैं ।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

महेंद्र सिंह धोनी को इस कारण नहीं मिल पाया टी20 में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम कई रिकार्ड है। धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पहला टी20 खिताब जीत था। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,000 से अधिक रन है पर प्रशंसकों को ये जानकर हैरानी होगी कि इसके बाद भी धोनी को अपने करियर के दौरान टी20 प्रारुप में एक बार भी मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला। इसका कारण ये रहा कि धोनी ने हमेशा ही टीम की जीत को निजी उपलब्धियों से अधिक महत्व दिया और उसी अनुसार फैसले लिए।

साल 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद धोनी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा ओर वह सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज और मैच फिनिशर के तौर पर उभरे। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से कुल 538 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 44.96 के बेहतरीन औसत से 17,266 रन बनाए। इसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल हैं। 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के अपने करियर में धोनी ने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। इस दौरान कई बार उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भारतीय टीम को कठिन हालातों से निकाकर जीत दिलायी हालांकि इसके बाद भी उन्हें एक बार भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण ये है कि टी20 क्रिकेट में धोनी अधिकतर नंबर 5, 6 या 7 पर बल्लेबाजी करने आते थे, जहां उन्हें आमतौर पर 10 से 15 गेंदें ही खेलने को मिलती थीं। ऐसी स्थिति में भले ही धोनी ने कई बार छोटी, तेज और मैच विजेता पारियां खेलीं है पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड आमतौर पर ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पास चला जाता है। वहीं सबसे बड़ा कारण ये रहा है कि धोनी ने हमेशा ही अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों की जगह पर टीम की जीत को महत्व दिया है। इसी कारण कई अवसरों पर उन्होंने अपनी जगह युवा बल्लेबाजों को खेलने के लिए ऊपरी क्रम में भेजा है। इससे धोनी ने साबित किया है कि एक कप्तान के तौर पर उनके लिए टीम को खिताबी जीत दिलाना व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक आगे है। अवॉर्ड भले ही उन्हें नहीं मिला पर एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप में उन्हें कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है।

एकदिवीसय क्रिकेट में धोनी को रिकॉर्ड 21 बार जबकि टेस्ट क्रिकेट में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। उन्होंने इसके अलाव इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताबी जीत दिलाने के दौरान धोनी को कई बार अवार्ड मिला है।

आईसीसी ने लॉर्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक बताया

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान के अलावा लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक करार दिया है। इसके साथ ही इन दोनों को नकारात्मक अंक भी दिये हैं। आईसीसी ने इन स्टेडियमों की पिच और आउटफील्ड को मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत एक-एक नकारात्मक अंक भी दिया है। आईसीसी ने ये कदम मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट (लॉर्ड्स) और ग्रीम ला ब्रूय (गद्दाफी स्टेडियम) से मिली रिपोर्टों के बाद उठाया है। इन रिपोर्टों में मैच अधिकारियों और दोनों टीमों के कप्तानों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर पिच की गुणवत्ता को निचले दर्जे का बताया है। लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के अलाव लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए तीसरे एकदिवसीय मैच की पिचों को इस्तेमाल की गई पिचें बताया गया है। लॉर्ड्स की पिच पर गेंदबाजों को अत्यधिक सहायता मिली। यहां गेंद में असामान्य उछाल और जरुरत से ज्यादा सीम मूवमेंट दिख। मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कई गेंदें अपेक्षा से अधिक नीची रह रही थीं, जिससे बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी हो गयी। उन्होंने कहा, पूरे टेस्ट में बहुत ज्यादा सीम मूवमेंट था और कई अवसरों पर गेंद बहुत नीचे भी रही। पूरी दिन पिच में बदलाव दिखे। पहले दिन जहां 16 विकेट वहीं दूसरे दिन 17 विकेट गिरे। इससे गेंद और बल्ले के बीच का संतुलन खराब हुआ।। इस मैच के शुरुआती दो दिनों में ही 33 विकेट गिर गए थे, जिनमें से अधिकांश विकेट बोल्ड या एलबीडब्ल्यू के रूप में गिरे थे, जो पिच के असंतुलित होने का स्पष्ट संकेत था। वहीं इसी प्रकार लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को भी एकदिवसीय मैच के लिए सही नहीं पाया गया। मैच रेफरी ग्रीम ला ब्रूय ने अपनी रिपोर्ट में कह कि पिच बहुत धीमी और नीची थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद कठिन हो गया था। उन्होंने कहा, पिच धीमी और नीची थी और रन बनाना बहुत मुश्किल था।

फीफा विश्वकप से इन खिलाड़ियों को भी मिल सकती है नई पहचान

एजेंसी, सेन डियागो

अमेरिका कनाडा और मैक्सिकों में गुरुवार से शुरु हो रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल टूर्नामेंट में लियोनन मेसी, क्रिस्टीयोनो रोनाल्डो और कैलियन एमबापे जैसे खिलाड़ियों के बीच ही ये पांच उभरते फुटबॉलर भी स्टार खिलाड़ी के तौर पर विश्व पटल पर अपनी पहचान बना सकते हैं। ऐसे में विश्वकप में किये प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों को दुनिया भर में पहचान मिलने के साथ ही इनकी ब्रांड वैल्यू में भी बदलाव आ सकता है। एंड्रिक (ब्राजील, उम्र 19) : एंड्रिक ब्राजील के उभरते स्टार फुटबॉलर हैं। विश्व कप उन्हें दक्षिण अमेरिका से बाहर भी घर-घर में पहचाना जाने वाला नाम बनने का मौका देता है। लैमिन यमल (स्पेन, उम्र 18) : यम स्पेनिश फुटबॉल के प्रतिभाशाली सितारों में से एक हैं। एक शानदार विश्व कप उन्हें 'बैलन डी 'ओर की चर्चा में तेजी से आगे ला सकता है। इतने कम उम्र के खिलाड़ी के लिए यह किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। वॉरेन जायर-एमरी (फ्रांस, उम्र 20) : फ्रांस का अगला मिडफ़ील्ड लीडर, जो ऐसे टूर्नामेंट में आ रहा है जहां जगह बनाने के लिए मुकाबला पहले से कहीं ज़्यादा कठि है। फ्रेंको मास्टंटुओनो (अर्जेंटीना, उम्र 18) : फ्रेंकोटूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक और अर्जेंटीना के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। सैंटियागो जिमेनेज (मेक्सिको, उम्र 25) : सैंटियागो मेजबान देश मेक्सिको की टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं, और इस विश्वकप से उनके पास मैक्सिकन फुटबॉल का सितारा बनने का अवसर है।

ईसीबी ने भारत-इंग्लैंड सीरीज के पहले तीन टी20 मैचों का समय बदला

एजेंसी, लंदन । इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ अगले माह जुलाई महीने में खेली जाने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए समय में बदलाव किया है। ईसीबी के अनुसार सीरीज के पहले तीन मुकाबले अब एक घंटा पहले शुरू होंगेहै। अब ये मैच इंग्लैंड के स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे की जगह 5:30 बजे शुरू होंगे। वहीं यानी भारतीय समयानुसार मुकाबले अब रात 11:00 बजे शुरू होंगे। यह बदलाव भारतीय दर्शकों की सुविधा के लिए किया है। ईसीबी के अनुसार ये फैसला भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई), मेजबान स्टेडियमों और प्रसारण साझेदारों से बातचीत के बाद लिया गया है। सभी पक्षों का मानना था कि समय में बदलाव से भारतीय दर्शकों के लिए मैच देखना अधिक सुविधाजनक होगा। पहले इन मैचों के देर रात 12 बजे शुरू होकर सुबह करीब 3 बजे तक चलने की संभावना थी, लेकिन अब वे रात 11 बजे शुरू होकर लगभग 2 बजे समाप्त हो जाएंगे, जिससे भारतीय प्रशंसकों को रात भर जागने की समस्या से कुछ राहत मिलेगी। वहीं अन्य मैचों के समय में बदलाव नहीं किया गया है। 4 जुलाई को ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाला दूसरा टी20 और 11 जुलाई को एजियस बाउल में खेला जाने वाला पांचवां टी20 अपने तय समय दोपहर 2:30 बजे स्थानीय समय (भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे) पर ही शुरू होगा।

अभिमन्यु मिथुन हैंः भारतीय घरेलू क्रिकेट के अद्वितीय रिकॉर्डधारी

एजेंसी, मुम्बई

क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम घरेलू क्रिकेट में उनके नाम एक ऐसा अद्वितीय रिकॉर्ड दर्ज है, जो किसी अन्य भारतीय खिलाड़ी के पास नहीं है। वह घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रमुख प्रारूपों – रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। मिथुन ने अपनी तेज गेंदबाजी से विभिन्न टीमों के खिलाफ यह कमाल किया है। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने उत्तर प्रदेश के विरुद्ध, विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के सामने यह उपलब्धि हासिल की। यह दर्शाता है कि उनकी निरंतरता और विकेट लेने की क्षमता विभिन्न प्रारूपों में कितनी प्रभावी रही। उनका यह अनूठा रिकॉर्ड उनकी प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है, जिसने उन्हें घरेलू क्रिकेट में एक विशिष्ट स्थान दिलाया।

भारतीय टीम के लिए हालांकि उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले। अभिमन्यु मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवसीय मैच खेले, जिनमें उन्होंने कुल 12 विकेट अपने नाम किए। उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण 2010 में हुआ था, जहां उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ गाले में अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट झटके थे। उसी साल उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय क्रिकेट में भी कदम रखा। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ था, जिसके बाद उनका भारतीय टीम का सफर थम गया।

बिजनेस

सेबी ने ओयो समेत 5 कंपनियों को दिया ऑब्जर्वेशन लेटर, अब ला सकेंगी आईपीओ

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली । देश का प्राइमरी मार्केट एक बार फिर रफ्तार पकड़ता हुआ नजर आने लगा है। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने अलग-अलग सेक्टर की पांच कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए ऑब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है। यानी सेबी की ओर से इन कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है। सेबी ने इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट, एग्रीकल्चर, हॉस्पिटेलिटी, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस सेक्टर की कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दी है। इन कंपनियों में हॉस्पिटेलिटी सेक्टर में काम करने वाली ओयो की पैरेंट कंपनी ऑरवेल स्टेज, रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनी विगालैंड डेवलपर्स, अफॉर्डेबल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी टू होम फाइनेंस, एग्रीकल्चर सेक्टर की कंपनी एडवांटा एंटरप्राइजेज और इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी मेहता हाइटेक इंडस्ट्रीज हैं। सबसे पहले बात करते हैं ओयो की पैरेंट कंपनी ऑरवेल स्टेज की। यह कंपनी हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में टेक्नोलॉजी बेस्ड प्लेटफॉर्म चलाती है। कंपनी होटल, वेकेशन होम्स और अन्य रेसिडेंशियल सर्विस के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बन चुकी है। सेबी ने कंपनी को 6,650 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने के लिए ऑब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है। कंपनी की योजना अपने आईपीओ के जरिए कारोबार बढ़ाने के लिए फंड जुटाने की है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी अपना वैल्यूएशन बढ़ा कर 66 हजार करोड़ तक ले जाना चाहती है। कुछ साल पहले तक लगातार नुकसान का सामना कर रही यह कंपनी पिछले कुछ वर्षों से मुनाफा कमाने की राह पर चल पड़ी है, जिसकी वजह से इसके आईपीओ को लेकर प्राइमरी मार्केट में लोगों के बीच काफी उत्साह बना हुआ है।

इसी तरह केरल की रियल एस्टेट कंपनी विगालैंड डेवलपर को भी मार्केट रेगुलेटर सेबी ने आईपीओ लाने के लिए ऑब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है। आईपीओ के जरिए कंपनी 250 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इस आईपीओ में सिर्फ नए शेयर जारी किए जाएंगे। कोई ऑफर फॉर सेल नहीं होगा। आईपीओ के जरिए मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने, नई जमीन की खरीदारी करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों को पूरा करने में करेगी। सेबी ने अफॉर्डेबल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी टू होम फाइनेंस को भी आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी प्राइमरी मार्केट से 3,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इस आईपीओ में 1,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 1,500 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे जाएंगे। ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए कंपनी का मौजूदा शेरधारक मैंगो क्रेस्ट इन्वेस्टमेंट अपनी हिस्सेदारी कम करेगा। आईपीओ में नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कैपिटल बेस को मजबूत करने और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में करेगी। एग्रीकल्चर सॉल्यूशन उपलब्ध कराने वाली कंपनी एडवांटा एंटरप्राइजेज को भी सेबी ने आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी है। कंपनी का आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल के रूप में होगा।

हुंडई मोटर को चेन्नई प्लांट एक में प्रोडक्शन 22 जून तक सामान्य होने की उम्मीद

एजेंसी, नई दिल्ली। दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल निर्माता हुंडई मोटर कंपनी की भारतीय सहायक कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) को चेन्नई प्लांट एक में 22 जून तक सभी उत्पादन सामान्य होने की उम्मीद है। इस संयंत्र में आग लगने से अस्थायी रूप से सेवाएं प्रभावित हुई हैं। हुंडई मोटर इंडिया ने बुधवार को शेयर बाजार को एक रेगुलेटरी अपडेट में जानकारी दी कि तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले के इरुंगट्टुकोट्टई स्थित सप्लायर 'मोबिस इंडिया लिमिटेड' की फैसिलिटी में 31 मई को दोपहर में आग लगने के कारण चेन्नई प्लांट 1 में प्रोडक्शन में जो रुकावट आई है, जिसके 22 जून तक ठीक होने की उम्मीद है। इसका रिटेल सेल्स पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

कंपनी ने कहा कि यह व्यवधान मुख्य रूप से चेन्नई संयंत्र-1 तक सीमित है, जबकि पुणे संयंत्र और चेन्नई संयंत्र-2 में संचालन पर न्यूनतम प्रभाव पड़ा है। चेन्नई संयंत्र-1 में 15 जून तक जबकि सभी इकाइयों में 22 जून तक उत्पादन गतिविधियां पूरी तरह सामान्य होने का अनुमान है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बना हुआ है। आज कारोबार की सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में कुछ देर के लिए गिरावट भी आई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इन दोनों सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.64 प्रतिशत और निफ्टी 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और एशियन पेंट्स के शेयर 2.68 प्रतिशत से लेकर 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, एटरनल, अदानी एंटरप्राइजेज और श्रीराम फाइनेंस के शेयर 3.19 प्रतिशत से लेकर 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,723 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,607 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,116 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 30 शेयर हरे निशान में और 20 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 69.51 अंक की तेजी के साथ 73,988.27 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक गिर कर लाल निशान में 73,897.83 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लिवाली के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही सेंसेक्स रिकवर कर हरे निशान में पहुंच गया। बाजार में लगातार हो रही खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 475.44 अंक की मजबूती के साथ 74,394.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 8.15 अंक की कमजोरी के साथ 23,233.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण यह सूचकांक लुढ़क कर 23,217.30 अंक के स्तर तक चला गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से यह सूचकांक रिकवरी कर हरे निशान में पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। भाव में आए उछाल के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना आज 1,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूति दर्ज की गई। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,53,170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,53,320 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

रिलायंस जामनगर में मेटा के साथ मिलकर बनायेगी 168 मेगावाट का डेटा सेंटर

एजेंसी, नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी मेटा के साथ मिलकर जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता वाला डेटा सेंटर विकसित करने के लिए साझेदारी की है। यह डेटा सेंटर दो वर्षों के भीतर तैयार किया जाएगा। इसकी क्षमता को भविष्य में 168 मेगावाट से आगे बढ़ाने का विकल्प भी रखा गया है। मेटा ने 2020 में जियो प्लेटफ़ॉर्म्स में 5.7 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था। यह भारत में मेटा के लिए पहला 'बिल्ट-टू-सूट' डेटा सेंटर होगा। यह भारत के वैश्विक एआई अवसंरचना केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इसे आगे बढ़ाने का विकल्प भी होगा। मेटा इस सुविधा से क्षमता पट्टे (लीज) पर लेगी।'' यह भारत में मेटा के लिए पहला 'बिल्ट-टू-सूट' डेटा सेंटर होगा। यह भारत के वैश्विक एआई अवसंरचना केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि मेटा के साथ यह साझेदारी भारत के डिजिटल अवसंरचना क्षेत्र के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण है। उन्होंने कहा कि मेटा जैसी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी के लिए भारत का पहला 'बिल्ट-टू-सूट' डेटा सेंटर बनाना इस बात का प्रमाण है कि भारत वैश्विक एआई क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अंबानी ने कहा कि जामनगर हाइपरस्केल एआई कंप्यूटिंग का एक प्रमुख केंद्र बनेगा और इस दृष्टि को साकार करने के लिए मेटा के साथ साझेदारी पर हमें गर्व है।

कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजना पर हैदराबाद में गुरुवार को होगा रोड शो

एजेंसी, नई दिल्ली

कोयला मंत्रालय 11 जून को हैदराबाद में अपना अगला रोड शो का आयोजन करेगा। नई दिल्ली में कोयला और लिग्नाइट गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स पर सफल रोड शो से मिली मजबूत गति को आगे बढ़ाते हुए यह रोड शो किया जायेगा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी हैदराबाद रोडशो में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि होंगे। कोयला मंत्रालय के मुताबिक यह रोडशो नीतिगत समर्थन, तकनीकी नवाचारों, निवेश के अवसरों और परियोजना कार्यान्वयन रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। ये नीति निर्माताओं, उद्योगपतियों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और निवेशकों को एक साथ एक मंच लाएगा ताकि, देशभर में कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के लिए सहयोगात्मक मार्ग ढूंढे जा सकें। इस आयोजन से हितधारकों की सहभागिता को और मजबूत करने, रणनीतिक साझेदारियों को सुगम बनाने और भारत में कोयला गैसीकरण के लिए एक सशक्त इकोसिस्टम के निर्माण में सहयोग मिलने की आशा है। इन पहलों के माध्यम से कोयला मंत्रालय नवाचार को बढ़ावा देने, उद्योग की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, संसाधनों के सतत उपयोग और औद्योगिक विकास के द्वारा आत्मनिर्भर भारत के सरकारी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, अपर सचिव सनोज कुमार झा, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, कोयला एवं लिग्नाइट कंपनियों के प्रतिनिधि, प्रौद्योगिकी प्रदाता, उद्योग संघ, निवेशक और अन्य प्रमुख हितधारक भी उपस्थित रहेंगे।

फिल्म

अल्फा का टीजर 10 जून को होगा जारी

आलिया भट्ट-शरवरी की दिखेगी पहली झलक

यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान-फिल्म अल्फा काफी वक्त से चर्चा में है। फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ मुख्य किरदारों में नजर आएंगी। ताजा खबर है कि बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल अल्फा का टीजर दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ाने आ रहा है। यह पहला मौका होगा जब आलिया और शरवरी एक साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगी। दोनों का एक्शन अवतार देखने के लिए फैंस बेहद उत्साहित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अल्फा का टीजर 10 जून को अपनी व्यापक रिलीज के लिए तैयार है। यह टीजर एक ऐसी लड़की की कहानी पर केंद्रित होगा, जिसे एक हत्यारी मशीन बनने के लिए पाला-पोसा जाता है। सूत्र ने कहा, अल्फा का टीजर 10 जून को निश्चित रूप से जारी होगा। इसके बाद एक जोरदार मार्केटिंग और प्रचार अभियान चलाया जाएगा जो फिल्म की कहानी को केंद्र में रखकर आज के भारत के अल्फा रवैये का जश्न मनाएगा। सूत्र ने आगे कहा, अल्फा का अभियान इस मूल विचार पर आधारित है कि यह सिर्फ एक किरदार या फिल्म का शीर्षक नहीं है; यह एक सोच है। आलिया और शरवरी आधुनिक भारत और उसके युवाओं की मानसिकता का जश्न मनाएंगी, जो अपने आप को लेकर बिल्कुल निडर हैं। अल्फा की रिलीज तारीख 10 जुलाई थी, लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि यह 3 जुलाई को आ सकती है। फिल्म में बॉबी देओल और अनिल कपूर भी नजर आएंगे।

रश्मिका मंदाना पर बड़ा दांव

पहली बार बायोपिक में निभा सकती हैं ये किरदार

रश्मिका मंदाना की कामकाजी जिंदगी से जुड़ा एक बड़ा अपडेट आया है। खबर है कि वह पहली बार बायोपिक में दिखेंगी और मशहूर गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं। इसके निर्देशन की कमान गौतम तिन्ननुरी पर है, जिन्हें शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी (2022) के लिए जाना जाता है। इस खबर ने रश्मिका के फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। बता दें, सुब्बुलक्ष्मी कर्नाटक संगीत जगत की महान गायिका थीं। दिसंबर, 2004 में उनका निधन हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, रश्मिका को बायोपिक में मशहूर गायिका का किरदार निभाने के लिए चुना गया है। यह भी पता चला है कि हाल ही में अभिनेत्री के घर पर लुक टेस्ट का आयोजन किया गया था। पहले खबर आई थी कि फिल्म में सुब्बुलक्ष्मी के किरदार के लिए साई पल्लवी का नाम तय किया गया है। फिर खबर आई कि साई की जगह रुक्मिणी वसंत को चुन लिया गया है और अब रश्मिका का नाम सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू हो सकती है, लेकिन यह भी ध्यान देने वाली बात है कि फिलहाल फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिलहाल रश्मिका अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर चर्चा में हैं। यह एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें उनके साथ शाहिद और कृति सैनन भी नजर आएंगे। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

विक्रम भट्ट को जेल में अलग हिंदुस्तान देखने को मिला

पिछले साल धोखाधड़ी के एक मामले में फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट ने लगभग 70 दिन जेल में बिताए। जेल में बिताए गए दिनों की यादें ताजा करते हुए उन्होंने अपने अनुभव सुनाए। उन्होंने कहा कि जेल के अंदर उन्हें एक अलग हिंदुस्तान देखने को मिला, जहां उन्होंने न केवल जीवन भर की दोस्ती बनाई, बल्कि मौत के मुंह से भी वापस लौटे। मालूम हो कि विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट को पिछले साल दिसंबर में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुंडिया से उनकी दिवंगत पत्नी पर एक बायोपिक बनाने के नाम पर एक बड़ी रकम ली थी, लेकिन उन्होंने फिल्म नहीं बनाई। जेल के अनुभव को सुनाते हुए विक्रम भट्ट ने बताया कि जेल में कैदियों ने उन्हें प्यार से भीष्म पितामह का नाम दिया और हर रात उनसे हॉरर कहानियां सुनने के लिए इकट्ठा होते थे। विक्रम भट्ट ने बताया कि उनके बैरक में अमूमन 60 से 80 लोग होते थे, और कभी-कभी तो यह संख्या 90 तक पहुंच जाती थी। उन्होंने समझाया कि कोर्ट की छुट्टियों के दिनों में कैदियों की संख्या बढ़ जाती थी, क्योंकि उस दिन किसी को जमानत नहीं मिलती थी। जब कोर्ट चालू होता था, तो संख्या कुछ कम हो जाती थी। जेल के अंदर उन्होंने जो दोस्ती अनुभव की, उसने उन्हें चकित कर दिया। भट्ट ने कहा, मैंने वहां अलग हिंदुस्तान देखा। मुझे समझ आया कि असली दोस्ती क्या होती है। जहां लोग सही नहीं होने चाहिए थे, वहां मुझे सबसे अच्छे लोग मिले।

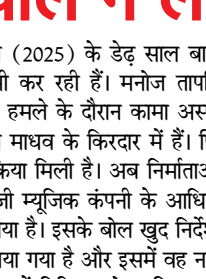

कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता से जारी हुआ पहला गाना

श्रेया घोषाल ने लगाए सुर

कंगना रनौत इमरजेंसी (2025) के डेढ़ साल बाद फिल्म भारत भाग्य विधाता से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। मनोज तापड़िया के निर्देशन में बनी यह फिल्म मुंबई के 26/11 आतंकी हमले के दौरान कामा अस्पताल में घटी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। कंगना नर्स गीता माधव के किरदार में हैं। फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है, जिसे लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। अब निर्माताओं ने इसका पहला गाना नब्ज नब्ज यूट्यूब पर जारी कर दिया है। जी म्यूजिक कंपनी के आधिकारिक यूट्यूब पर जारी नब्ज नब्ज गाने को श्रेया घोषाल ने अपने सुरों से सजाया है। इसके बोल खुद निर्देशक ने लिखे हैं, जबकि अमन पंत कंपोजर हैं। पूरा गाना कंगना के ऊपर फिल्माया गया है और इसमें वह नर्स बनकर अस्पताल में मरीजों की सेवा करते दिख रही हैं। फिल्म में गिरिजा ओक, स्मिता तांबे और आदित्य मिश्रा जैसे सितारे भी नजर आए हैं। यह 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

पुलकित सम्राट ने पूरी की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बन रही अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित और रमेश तौरानी की इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इस फिल्म के अब केवल एक गाने की शूटिंग बाकी है। अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुका पुलकित सम्राट का यह प्रोजेक्ट दर्शकों के एक कदम और करीब आ गया है। वैसे पिछले साल जब पुलकित का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी, लेकिन इस खबर के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड के सबसे सफल प्रोडक्शन हाउसेज में से एक टिप्स फिल्म्स के साथ एक उभरती हुई निर्देशिका और अपने करियर के मजबूत दौर से गुजर रहे अभिनेता का यह सहयोग इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है। हालांकि पुलकित की इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर भी ऐसे समय में आई है, जब पुलकित को उनकी हालिया रिलीज ग्लोरी में दमदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिल रही है। गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट में एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए पुलकित को उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और अभिनय के लिए दर्शकों ने खूब पसंद किया है। सिर्फ यही नहीं इस किरदार ने एक कलाकार के रूप में पुलकित की न सिर्फ एक नई छवि पेश की है, बल्कि चुनौतीपूर्ण व विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी प्रतिष्ठा को भी और मजबूत किया है।

वीडियो जारी कर शिल्पा शिंदे ने तोडी चुप्पी, विवाद पर दी सफाई

टीवी धारावाहिक निर्माता संजय कोहली के खिलाफ वर्षों पहले दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न के मामले को लेकर अभिनेत्री शिल्पा शिंदे के नए खुलासे ने उन्हें आलोचनाओं के घेरे में ला दिया है। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने भी इस मामले में उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इसी बीच, अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने एक नया वीडियो जारी कर अपनी चुप्पी तोड़ी है और अपना पक्ष रखा है। शिल्पा शिंदे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील साझा करते हुए उन लोगों को जवाब दिया है जो उनके बयान को लेकर अलग-अलग तरह की बातें कर रहे हैं। उन्होंने अपने वीडियो में कहा कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले लोगों को एफआईआर में दर्ज तथ्यों को देखना चाहिए। अभिनेत्री का कहना है कि आज लोग केवल यह दिखा रहे हैं कि संजय कोहली और उनके परिवार को कितना नुकसान हुआ है, लेकिन उनके साथ जो कुछ हुआ, उस पर कोई बात नहीं कर रहा।

शिल्पा ने अपने वीडियो में इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने अपनी शिकायत में साफ तौर पर लिखा था कि उनके साथ जबरन शारीरिक संपर्क की कोशिश की गई थी। उनके अनुसार, उन्होंने एफआईआर में विस्तार से बताया था कि उनका हाथ पकड़ा गया और उन्हें अपनी ओर खींचने की कोशिश की गई थी। अभिनेत्री ने कहा कि इस तरह की घटनाओं को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए और लोग बिना पूरी जानकारी के उन्हें गलत साबित करने में लगे हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आज कोई यह क्यों नहीं देख रहा है कि उनके साथ क्या हुआ था और उन्हें किस मानसिक प्रताड़ना से गुजरना पड़ा था। शिल्पा के इस बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई लोगों ने उनके बयान पर फिर से सवाल उठाए, जबकि कुछ कलाकारों और संगठनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भी मामले को गंभीर बताते हुए उचित कार्रवाई की मांग की है। वहीं, हिना खान ने सोशल मीडिया पर शिल्पा शिंदे की हरकत को बेकार बताते हुए उन्हें ट्रोल किया था, जिसके बाद यह विवाद और गहरा गया। शिल्पा शिंदे का यह नया बयान एक बार फिर इस बहस को हवा दे रहा है कि यौन उत्पीड़न के मामलों में पीड़ित के बयानों को किस तरह से देखा जाना चाहिए और समाज तथा उद्योग को इन पर कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए। मालूम हो कि शिल्पा शिंदे के एक पुराने यौन उत्पीड़न मामले को लेकर हालिया खुलासे के बाद से वह लगातार विवादों में घिरी हुई हैं। उनके इस बयान के बाद, हिना खान सहित कई कलाकारों ने शिल्पा को गलत ठहराया है, और सोशल मीडिया पर भी उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

एसिडिटी से परेशान हैं तो अपनाएं ये 5 घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

एसिडिटी एक आम पाचन समस्या है, जो कई लोगों को प्रभावित करती है। यह समस्या गलत खान-पान, मानसिक तनाव और जीवनशैली में बदलाव के कारण हो सकती है। एसिडिटी के लक्षणों में सीने में जलन, पेट फूलना, गैस बनना और उल्टी आना शामिल हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार घरेलू नुस्खे बताएंगे, जो आपको इस समस्या से आराम दिला सकते हैं। अदरक एक प्राकृतिक औषधि है, जो एसिडिटी को कम करने में मदद कर सकती है। इसके लिए आप ताजे अदरक का रस निकालकर उसमें थोड़ा शहद मिलाकर पी सकते हैं या फिर अदरक की चाय बना सकते हैं। अदरक के सेवन से पेट की गैस निकलने में मदद मिलती है और सीने की जलन भी कम होती है। इसके अलावा अदरक का सेवन पाचन प्रक्रिया को भी सुधारता है। तुलसी के पत्ते चबाना भी एक अच्छा उपाय हो सकता है। तुलसी में मौजूद तत्व पेट की गैस को कम करने में सहायक होते हैं। इसके लिए कुछ तुलसी के पत्ते लेकर उन्हें अच्छी तरह चबाएं और फिर निगल लें। आप चाहें तो तुलसी की चाय भी बना सकते हैं। इसके लिए एक कप पानी में कुछ तुलसी के पत्ते डालकर उबालें और इसे छानकर पी लें। पुदीने की चाय पेट की गैस निकालने में मदद कर सकती है। इसके लिए एक कप पानी में कुछ पुदीने की पत्तियां डालकर उबालें और इसे छानकर पी लें। पुदीने की चाय पीने से पेट का दर्द भी कम होता है और पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है। आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद मिला सकते हैं ताकि इसका स्वाद बेहतर हो जाए। नियमित रूप से पुदीने की चाय पीने से एसिडिटी की समस्या में काफी आराम मिलता है। नारियल पानी एक प्राकृतिक पेय है, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखती है और पेट की गैस निकालने में मदद करती है। रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास नारियल पानी पीने से पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है और एसिडिटी की समस्या कम होती है। इसके अलावा नारियल पानी पीने से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और थकान दूर होती है। यह एक पोषक तत्वों से भरपूर पेय है, जो आपको तरोताजा महसूस कराता है। नींबू पानी विटामिन-सी का अच्छा स्रोत होता है, जो पाचन प्रक्रिया को सुधारता है और एसिडिटी को कम करता है। इसके लिए एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पी लें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद मिला सकते हैं ताकि इसका स्वाद बेहतर हो जाए। नियमित रूप से नींबू पानी पीने से न केवल एसिडिटी की समस्या में आराम मिलता है बल्कि यह आपके शरीर को ताजगी भी प्रदान करता है।

Amit Shah launches Land Port Management System to cut cargo delays, boost border trade efficiency

New Delhi, Agency: Launching the land port management system (LPMS) - an integrated platform that will enable end-to-end digital workflows for cargo processing and passenger movement across all land ports - here on Tuesday, home minister Amit Shah said it would help reduce paperwork by 90%, cut waiting times for cargo trucks by 22-35% and constrict gate processing time by 40-60%.

"LPMS, a modern, digital, integrated and real-time system that takes every single stakeholder and data system on board, will in the coming days become a vital component of the envisioned 'smart security grid', and help ensure both economic security as well as physical security. It will increase synergy and information-sharing among the agencies," Shah said in his address at the launch event.

Fifteen land ports are currently operational in the country, with plans to develop 11 more over the next three years.

The home minister said LPMS will also boost tourism, apart from increasing trade volumes. "It will promote people to people contact and promote cultural exchange among the villages on both sides of the border, replace illegal activities/trade with legitimate trade, and enable all-round development of border villages and districts, thus arresting outmigration," he added.Shah said the home ministry is working to implement the 'smart border' concept, and this along with LPMS will make the borders impregnable. He mentioned how the launch of LPMS coincides with completion of 12 years of Prime Minister Narendra Modi's governance focused on "public welfare" and "putting India on the path of progress and development". The home minister also referred to another coinciding milestone: Modi's surpassing Jawaharlal Nehru's unbroken 4,398-day stint as Prime Minister, on Wednesday.

The home minister highlighted how in the past 12 years under Modi, trade through land ports has increased sixteen-fold to Rs 83,000 crore from Rs 5,000 crore in 2014.Crediting Modi for introducing the concept of "360-degree and equitable development" in the administrative realm, Shah said that "in the last 12 years, 25 crore have risen above poverty line".

"Nearly 81 crore are getting 5 kg free rations, 58 crore have new jan dhan accounts, 44 crore have a Rs 5 lakh Ayushman cover, 16 crore houses have got access to tap water, 12.7 crore houses have toilets and over 10.5 crore houses have access to cooking gas. ,"Today, nearly 4 crore pucca houses have already been provided and the construction of another 2 crore is in the pipeline. In two years, there will not be a single family in India without a pucca home," he said.

'Air India asking kin of crash victims to waive claims before facts known'

New Delhi, Agency: After investigation into Air India's AI 171 crash of June 12, 2025, processing of claims has also come under questions from families of some of the deceased.

The daughter of former Gujarat CM Vijay Rupani, who was among the 260 people killed in AI 171 crash last June 12, has questioned why Air India is reportedly asking relatives of the deceased to "sign full and final settlement documents before the official investigation has concluded and before the facts surrounding the accident have been fully established."

Radhika Mishra, Rupani's London-based daughter, has in a mail to Tata Group and AI chairman N Chandrasekaran said this document "requires families to permanently waive present and future claims before all facts are known. We deserve more than compensation. We deserve answers. above all, we deserve closure."

In its response to Mishra reviewed by Media, AI has told her that "there is absolutely no deadline or pressure on any family or individual to accept our offer within a set timeframe.Families are free to wait until the investigation report has been released, as some have chosen to do.... investigation is (being) independently conducted by Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB), and therefore AI is not aware of when the report will be released. In light of the numerous requests that we received, and conscious of our own obligations, we felt that it would not be fair to families who wish to proceed with final compensation if we were to put the process on hold indefinitely."

Rupani was flying AI 171 from Ahmedabad to meet his daughter when the Boeing 787 Dreamliner crashed seconds after take off, killing 241 of 242 people on board and 19 others in student hostels of the B J Medical College where it had fatally plunged.

"Para 1 of the receipt, discharge and indemnity (RDI) document extends far beyond Air India, seeking to discharge Boeing, General Electric Company, GE Aerospace, Safran S A, Honeywell International Inc, the Union of India including other govt agencies, Ahmedabad International Airport, insurers, and numerous third parties whose roles, if any, have not yet been established. The agreement remains binding even if future investigations uncover new evidence, findings, or circumstances that are unknown today. Families are required not only to release claims but also to indemnify the released parties against future claims," her mail says.

Asking why "is there an effort to obtain final releases before the truth is known," Mishra, a CA who lives in London with her family, has asked Tata Sons and AI to "clarify whether families can receive support without sacrificing future legal rights; reconsider the use of broad release and indemnity provisions before the completion of all investigations; ensure no family feels pressured to choose between immediate financial support and the pursuit of truth."

Haryana 'sealed' 109 branches to recover Rs 127 cr after FD racket: Kotak bank to HC

Mumbai, Agency: Kotak Mahindra Bank has told the Bombay High Court that the Haryana Police sealed 109 of its branches in Haryana in connection with the Rs 150 crore bank scam in March, and that these were "de-sealed" only after Rs 127.27 crore was deposited in the Panchkula Municipal Corporation's account.

The alleged actions took place after the MC's funds amounting to Rs 150 crore were siphoned off, and the branch manager at Kotak Mahindra Bank, Pushpinder Singh, emerged as the mastermind behind the scam. The high court had on April 6 granted interim relief to the bank, which had sought a freeze on the amount it had deposited in the MC's account. According to the State Vigilance and Anti-Corruption Bureau (SV&ACB)'s FIR dated March 24, the MC was maintaining 16 fixed deposits (FDs) with the bank's Sector 11 branch in Panchkula. The deposits amounted to Rs 145.03 crore, with a maturity value of Rs 158.02 crore. Of these, 11 FDs worth Rs 59.58 crore matured on February 16. When MC officials approached the bank regarding the matured deposits, they were provided with statements that did not match one another or the MC's records, particularly for the FDs, raising suspicions of large-scale irregularities. Pushpinder, along with Vikas Kaushik, a Senior Accounts Officer at the MC, allegedly fraudulently opened two accounts of the MC.

NCR area unlikely to be reduced

New Delhi, Agency: The area in the National Capital Region (NCR) is unlikely to be reduced. The NCR Planning Board, which is scheduled to meet on June 16, will take decisions on this and other issues. As per the agenda circulated to NCR state, "There will be no change in the current NCR area (55,083 sqkm). Hence, Sub Regional Plan-2021 for extended Haryana sub-region shall not be withdrawn."

Earlier, Haryana govt had requested the NCR Planning Board in May 2022 to exclude the five 'newly added' districts - Jind, Bhiwani, Mahendragarh, Charkhi Dadri and Karnal - from the ambit of NCR. People aware of the development said the matter will be discussed in the board meeting. At present, 14 out of the total of 22 districts in Haryana fall under NCR and the state has little over 50% share of the entire region. .Seeking to reduce NCR coverage in the state had stated that more than benefits, the state was facing losses due to an excessive area under the regulated region.

Congress fumes as Natarajan's Rajya Sabha nomination nixed, BJP close to winning all 3 in MP

Bhopal, Agency: Congress candidate Meenakshi Natarajan's nomination for the June 18 Rajya Sabha polls in MP was rejected Tuesday after scrutiny, turning election arithmetic on its head as BJP closed in on winning all three seats unopposed. Returning officer A P Singh rejected the nomination after BJP objected that Natarajan failed to disclose details of a pending case in Telangana.

Congress branded the move "illegal" and alleged BJP had engineered a "constitutional conspiracy" to grab a third RS seat despite lacking numbers. Under election law, EC cannot overturn a returning officer's decision during scrutiny.

The stakes had already been running high after BJP sprang a surprise by fielding Mahesh Kewat as a third candidate. BJP, with 164 MLAs in the 230-member assembly, is comfortably placed to bag two seats. A candidate needs 58 votes to win, leaving Kewat dependent on surplus votes, cross-voting or abstentions.

Natarajan said, "BJP fielded a third candidate without adequate votes and we knew hurdles would be created." She said, "First, they are stealing votes through SIR, now they are stealing seats. We will fight this battle through every democratic and constitutional forum available."

Unless Congress secures urgent relief from EC or Supreme Court, the contest now effectively stands reduced to three BJP candidates for three vacancies - setting the stage for an unopposed sweep in MP.

Officials said that Meenakshi Natarajan was given an opportunity to furnish missing details but failed to do so, prompting rejection through a reasoned order.

Congress disputed that interpretation. "The matter relates to BNS Section 223 concerning intentional disobedience of a lawful order by a public servant. It is not a criminal case in the conventional sense," Congress legal cell representative Ajay Gupta said.

"There was no requirement to disclose it under prescribed norms."

4 hurt as BSF convoy bus hits 2 vehicles after brake failure in Ramban

Jammu, Agency: At least four people, including two Border Security Force men, sustained minor injuries Tuesday when a bus ferrying BSF personnel for deployment on Amarnath Yatra duty collided with two other vehicles on Jammu-Srinagar NH-44 in J&K's Ramban district. Officials said the bus first hit a passenger vehicle before crashing into a tractor-trolley along the busy highway near Peerah. "The injured people - including ASI Sanjeet Kumar and head constable Arveen Kumar - were shifted to Ramban district hospital, where they remained under treatment. Their condition was stated as stable," an official said.

"The accident led to the closure of NH-44's uptube at the accident spot. Authorities immediately launched clearance operations to restore normal vehicular movement," an official said.

Authorities initiated an investigation into the circumstances leading to the accident, officials said.

'Self-proclaimed, dubiously invented milestone': Congress slams PM Modi as he surpasses 'Nehru record'"

New Delhi, Agency: The Congress on Wednesday launched a scathing attack on Prime Minister Narendra Modi, saying he may have passed a "self-proclaimed and dubiously invented" milestone but he is a "millstone" around India's neck, presiding over the "murder of democracy".

The opposition party's attack came as Modi became India's longest continuously serving elected prime minister.

Congress leader Jairam Ramesh said Jawaharlal Nehru became prime minister of India on August 15, 1947 presiding over a stellar Cabinet - the likes of which have rarely been seen in the world. Over the next five years, modern India came into being, he said on X. "Over 560 princely states were integrated peacefully into the Indian Union, the Constitution of India was debated and adopted, zamindari was abolished, reservations for Scheduled Castes and Scheduled Tribes were put in place, a number of multipurpose irrigation-cum-power projects were launched, the infrastructure for science and technology capability was established (including in nuclear energy), and India emerged as a force in global affairs," Ramesh said.

Electoral rolls bearing 170 million registered voters were prepared to ensure universal adult franchise and free India's first General Elections were held between October 1951 and February 1952, he said."The 1947-52 record of achievements of India with Nehru as PM and in which stalwarts like Sardar Patel, Dr Ambedkar, Dr Rajendra Prasad, C Rajagopalachari, and Maulana Abul Kalam Azad played such a pivotal role is now sought to be erased by Mr Modi who has a pathological fixation on Nehru," the Congress general secretary in-charge communications alleged. "He (Modi) may have passed a self-proclaimed and dubiously invented milestone today but he is a millstone around India's neck, presiding as he is over the Murder of Democracy in India," Ramesh alleged.

The very same establishments of democracy - an independent Election Commission and a sacrosanct voter list-are now threatened, he claimed.

Army troops fire at suspected Pak drone along LoC in J&K's Poonch

Jammu, Agency: Army troops opened fire at a suspected Pakistani drone hovering over Indian territory along the Line of Control (LoC) in J&K's Poonch district late Monday. The unmanned aerial vehicle returned towards Pakistan-occupied Kashmir after some time, officials said. "Around 10pm, alert personnel spotted the drone above some forward Indian posts along the LoC in the Area of Responsibility of the Army's 22 JAK Rifles in Pajani area, in Balakote of Mendhar sector," an official said Tuesday.

Troops fired around nine rounds at the UAV but failed to hit the target as the drone was moving at a considerable height. It later returned to the PoK side. "Security forces launched a search operation early Tuesday to establish whether the drone had air-dropped any suspicious consignments during its flight over the area. Nothing as such was found on the ground," the official said.

CJI meets high commissioner in UK, seeks cover for ex-judge, kin

New Delhi, Agency: CJI Surya Kant has taken up the death threats being issued to retired Bombay HC judge Justice Gautam Patel with the Indian high commission in London, and has been assured that adequate security arrangements have been put in place for him and his family. The CJI, who is on an official visit to the UK, met Indian high commissioner P Kumaran hours after Justice Patel went public about the threat letter delivered to his daughter's residence in London.

"I had a discussion with the high commissioner, who assured that no harm would come to him or his family and that adequate security arrangements have been made by the London police," CJI Kant told Media.

Justice Patel on Monday had said the letter was in response to a judgment he passed in 2024. The case, which is pending appeal, sought to establish the succession and name of the Syedna, the spiritual leader of the Dawoodi Bohra community.

Over the past 10 months, the Patel family has received several anonymous letters, including one in 2025 which, Justice Patel said, "accused me of having delivered my judgment fraudulently, under pressure". The letter asked the judge to release a video on YouTube to state he had "delivered an incorrect verdict… which has caused irreparable harm to the faith and future of a respected community of a million plus members".

On the attack on his daughter in London, Justice Patel had said, "This is a clever attempt to leverage the jurisdictional gap between Mumbai and London. There has been no attack on me in Mumbai, for that would result in immediate local action. Instead, the attack is directed against my daughter, a British citizen, on British soil. The connection to me and the judgment remains, but the actual attack - and therefore actual investigation - gets localised to UK.

The high commissioner informed the CJI the threat appeared to have originated in India as the intimidation was related to a case in Maharashtra.